राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 107 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शनिवार 14 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

थाइलैंड में एयर इंडिया की इमरजेंसी लैंडिंग, मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। थाइलैंड के फुकेट में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है. जानकारी के मुताबिक इस फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है. यह फ्लाइट फुकेट से नई दिल्ली आ रही थी. शुक्रवार के बम की धमकी मिलने के बाद यह लैंडिंग कराई गई. फुकेट एयरपोर्ट के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि इमरजेंसी लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है. बता दें, एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 में करीब 156 यात्री सवार थे. इस विमान ने शुक्रवार सुबह करीब 9 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरी थी, लेकिन 20 मिनट के बाद ही इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. भारतीय समयानुसार करीब 11 बजकर 38 मिनट पर यह लैंडिंग हुई. जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक उड़ान भरने के 20 मिनट बाद ही यह विमान अंडमान सागर के चारों ओर चक्कर काटने लगा. उसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया. अभियान के बाद अधिकारियों ने बताया कि विमान के अंदर से कोई बम नहीं मिला है.

इससे पहले गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान, जो लंदन जा रहा था वह क्रैश हो गया. इसमें सवार 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई. वहीं, केवल एक शख्स ही जीवित बचा. उसका इलाज जारी है.

अहमदाबाद विमान हादसे में पीड़ित परिवारों को मिल सकता है 1.5 करोड़ रुपए का मुआवजा

अहमदाबाद। एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 (बोइंग 787,वीटी-एएनबी) बीते दिन अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस फ्लाइट में सवार सभी 241 लोगों की मौत हो गई। वहीं विमान मेघानी नगर में स्थित मेडिकल कॉलेज की एक बिल्डिंग पर जा गिरा, जिससे कई एमबीबीएस स्टूडेंट्स की भी जान चली गई। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में अपनों को खोने वाले पीड़ित परिवारों को अब करोड़ों का मुआवजा दिया जाएगा। एअर इंडिया की पेरेंट कंपनी टाटा पर इसका कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं बीमा कंपनियों को न सिर्फ विमान बल्कि विमान में सवार यात्रियों को भी मुआवजा देना होगा।

इस्राइल सरकार का बड़ा फैसला

ईरान पर हमले के बाद दुनियाभर में बंद किए अपने दूतावास

तेल अवीव(एजेंसी)। ईरान पर भीषण हमलों के बाद इस्राइल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। इसके साथ ही इस्राइल ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी या इस्राइली प्रतीक न दिखाने की अपील की है।

इस्राइल ने शुक्रवार को ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले करने के बाद दुनिया भर में अपने दूतावासों को बंद कर दिया है। दूतावासों की वेबसाइटों पर जारी बयानों में कहा गया है कि इस्राइल फिलहाल किसी भी प्रकार की कांसुलर सेवा प्रदान नहीं करेगा।

सरकार की ओर से जारी बयानों में नागरिकों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी सार्वजनिक स्थान पर यहूदी या इस्राइली प्रतीकों को प्रदर्शित न करें। इसके साथ ही यदि किसी देश में उन्हें किसी प्रकार की शत्रुतापूर्ण गतिविधि का सामना करना पड़े, तो वे स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करें।

इस्राइल दूतावासों को कब तक बंद रखेगा, इसके लिए कोई समय-सीमा नहीं दी गई है। विदेश में रहने वाले इस्राइलियों को अपने स्थान के बारे में विदेश मंत्रालय को अपडेट करने के लिए एक फॉर्म भरने के लिए भी कहा गया है। बयान में कहा गया, हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर, दुनिया भर में इस्राइली मिशन बंद रहेंगे और कांसुलर सेवाएं प्रदान नहीं की जाएंगी।

खामनेई ने की नए सैन्य कमांडरों की नियुक्ति

इस्राइल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव अब एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। वहीं शुक्रवार की सुबह इस्राइल के हमले के बाद दोनों देश एक-दूसरे पर जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। एक तरफ जहां बेंजमिन नेतन्याहू ने ईरान पर अपनी कार्रवाई को जरूरी बताया है, वहीं ईरान की तरफ से इस्राइल को सजा देने की बात कही गई है। अब आपको बताते हैं कि, इस्राइल ने ईरान पर अपने भीषण हमले को किस तरह अंजाम दिया। तो बता दें कि, इस्राइल इस हमले की तैयारी बहुत पहले से कर रहा था, जिसमें इस्राइली खुफिया एजेंसी 'मोसाद' ने ईरान के अंदर हथियारों की तस्करी भी की थी। जानकारी के मुताबिक, हमला शुरू होने से पहले ईरान के भीतर ही ड्रोन और अन्य हथियारों को सक्रिय किया गया। इस्राइल ने शुक्रवार को ईरान पर एक बड़ा हमला किया, जिसकी तैयारी गुप्त रूप से पहले ही कर ली गई थी। इस बात की जानकारी दो इस्राइली सुरक्षा अधिकारियों ने दी, जिन्होंने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बात की। इन अधिकारियों के अनुसार, इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने हमले से पहले ईरान के अंदर ड्रोन, सटीक निशाना लगाने वाले हथियार और अन्य विस्फोटक सामग्री भेज दी थी। इन हथियारों का इस्तेमाल ईरान की राजधानी तेहरान के पास स्थित मिसाइल बेस को निशाना बनाने में किया गया। बताया गया कि ईरान के अंदर एक गुप्त ठिकाने से विस्फोटक ड्रोन उड़ाए गए और साथ ही कुछ वाहनों में लगाए गए हथियार सिस्टम भी सक्रिय किए गए। इनका मकसद ईरान की हवाई सुरक्षा प्रणाली को कमजोर करना था। इस्राइली हमले में ईरान के दो शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए। इसके बाद ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई ने तुरंत नए सैन्य प्रमुखों की नियुक्ति कर दी है।

बिहार चुनाव से पहले आप का बड़ा ऐलान, 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस बार आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों को उतारेगी, हालांकि दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कुछ स्पष्ट है नहीं किया था, लेकिन अब पार्टी नेतृत्व से मिले संकेत के बाद, आम आदमी पार्टी बिहार के सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है.

दिल्ली से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह 17 जून को पटना में गर्दनीबाग से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हुंकार भरेंगे. वर्ष 2012 में दिल्ली से राजनीतिक सफर की शुरुआत करने वाली आम आदमी पार्टी ने जब दिसंबर 2013 में पहला विधानसभा चुनाव लड़ा था तब से लेकर अभी तक दिल्ली में रहने वाले पूर्वांचल और खासतौर से बिहार के रहने वाले मतदाताओं को अपने साथ बनाए रखने में सफल हुई.

इस वर्ष फरवरी में संपन्न हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी बहुमत से दूर रह गई, पार्टी को 70 में से सिर्फ 22 सीटें मिली और बीजेपी 48 सीटें जीतने में सफल हुई. मगर वोट फीसद की बात करें तो दोनों ही पार्टी के बीच करीब दो फीसदी का ही अंतर था. दिल्ली के पूर्वांचल बहुत सीटों पर आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन इस बार भी अच्छा रहा. उन सीटों पर आप के अधिकांश विधायक जीतने में सफल रहे थे.

दिल्ली विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद पार्टी ने जो संगठनात्मक बदलाव किया उसमें बिहार के प्रभारी दिल्ली के बादली विधानसभा सीट से विधायक रहे अजेश यादव को प्रभारी बनाया, तो वहीं बिहार में प्रदेश अध्यक्ष के रूप में राकेश कुमार जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. राकेश कुमार ने कहा कि पार्टी बिहार में बीते एक दशक से अच्छा काम कर रही है. हर एक जिले में संगठन बना हुआ है और पार्टी से संकेत मिलने के बाद अब सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है.

अहमदाबाद प्लेन हादसे को लेकर सामने आई हकीकत, एक्सपर्ट्स ने बताई ये बड़ी वजह

नईदिल्ली (एजेंसी)। सिविल एविएशन मंत्रालय में पूर्व ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ सनत कौल ने शुक्रवार को कहा कि अहमदाबाद प्लेन हादसे के बारे में फिलहाल कुछ भी कहना मुश्किल है। जांच होने के बाद ही सही जानकारी सामने आएगी।

डॉ सनत कौल ने कहा कि यह एक बहुत दुखद हादसा है और इसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। लोग अटकलें लगा रहे हैं कि चिड़िया प्लेन से टकरा गई होगी या फ्लैप उलटे होंगे, लेकिन मेरा मानना है कि यह एक इंजन फेल होने की घटना है, क्योंकि प्लेन ऊपर जाने के कुछ देर बाद ही नीचे आ गया। बोइंग को लेकर किए गए सवाल पर कॉल ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कंपनी पर कई बार सवाल उठे हैं और अमेरिकी संसद (यूएस कांग्रेस) ने भी कंपनी की जांच की है। बोइंग 737 मैक्स के दो-तीन क्रैश हुए थे। हालांकि, बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एक अच्छा जहाज है। इसमें अब तक ऐसी कोई समस्या नहीं आई थी। ऐसे में जांच के बाद ही हकीकत सामने आएगी। वहीं, अन्य एविएशन एक्सपर्ट संजय लजार ने कहा, यह एक बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली घटना है। मैं इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा, विमान टेकऑफ के वीडियो सामने आए हैं, उनके आधार पर यह स्पष्ट होता है कि उड़ान भरते ही पायलट ने 'मेडे कॉल' दी थी, जो एक आपातकालीन संकेत होता है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि विमान में इंजन फेल हुआ था या फिर बड़े पैमाने पर बर्ड हिट (पक्षियों से टकराव) की स्थिति बनी थी।

उन्होंने यह भी कहा कि, अभी हम केवल अनुमान ही लगा सकते हैं। असली कारण क्या था, यह तो पूरी जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 गुरुवार को दोपहर को क्रैश हो गई थी। इसमें 242 लोग सवार थे।

भीषण गर्मी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी, बदलेगा मौसम का मिजाज, होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी की मार झेल रहे उत्तर भारत में मौसम अब राहत के संकेत दे रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक 13 जून की रात से मौसम का मिजाज बदलने वाला है। हालांकि विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।साथ ही, तेज हवाएं 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। 13 जून को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, साथ ही ह्यूमिडिटी भी 67 प्रतिशत तक होगी। इस कारण दिन भर उमस और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दिनभर गर्म और आर्द्र मौसम बना रहेगा, लेकिन शाम व रात के समय गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना रहेगी। 14 जून से मौसम में ठंडक घुलने लगेगी। अधिकतम तापमान घटकर 41 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री हो जाएगा। 15 जून को यह गिरावट और तेज होगी, जब अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम 28 डिग्री दर्ज किया जाएगा। इन दिनों के लिए थंडरस्टॉर्म विद रेन' का पूर्वानुमान है, जिससे मौसम राहत भरा रहेगा।16 और 17 जून को आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27-28 डिग्री के आसपास रहेगा। इसके साथ ही 18 और 19 जून को भी गरज के साथ बारिश की संभावना बनी रहेगी।

राज्यपाल दरभंगा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हुए शामिल

सीमा की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य: राज्यपाल डेका

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल रमेन डेका गत दिवस बिहार राज्य के दरभंगा में राष्ट्रीय सनातनी सेवा संघ द्वारा ''सीमा सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश है, जिसकी सीमाएँ हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर हिंद महासागर की गहराइयों तक फैली हुई हैं। सीमा की सुरक्षा केवल सैनिकों और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि सीमा की रक्षा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने का आधार है। सीमा की सुरक्षा, देश की आंतरिक और बाह्य स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह न केवल बाहरी खतरों जैसे आतंकवाद, घुसपैठ और तस्करी से रक्षा करती है, बल्कि देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को भी संरक्षित करती है। भारत की सीमाएँ, पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों के साथ साझा की जाती हैं, और प्रत्येक सीमा की अपनी अनूठी चुनौतियाँ हैं।

श्री डेका ने कहा कि हमारे सैनिक, प्राणों की बाजी लगाकर सीमा की सुरक्षा करते हैं लेकिन उनकी यह जिम्मेदारी तब और प्रभावी होती है, जब समाज और नागरिक उनका साथ देते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं और स्थानीय प्रशासन या सुरक्षा बलों को सूचित कर सकते हैं। असामान्य गतिविधियों, जैसे तस्करी या घुसपैठ, की जानकारी देना, देश की सुरक्षा को मजबूत करता है। आज के युग में सीमा सुरक्षा में तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी, और स्मार्ट फेंसिंग जैसे उपकरण सीमा पर निगरानी को और प्रभावी बना रहे हैं। श्री डेका ने कहा कि नागरिक के रूप में, हम तकनीकी नवाचारों को समर्थन दे सकते हैं और सरकार के डिजिटल सुरक्षा प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सनातनी सेवा संघ के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आवारा कुत्तों का संभ्रात कॉलोनी दुर्ग पदभानापुर,आदर्श नगर,बोरसी,व विद्युत नगर में आतंक

पद्मनाभपुर इलाके में आवारा कुत्तो का आतंक

दुर्ग नगर निगम प्रशासन समस्या को लेकर उदासीन आम जन में आक्रोश व्याप्त

दुर्ग (समय दर्शन)। इन दिनो दुर्ग शहर के पद्मनाभपुर कॉलोनी में आवारा कुत्तो से यहां के रहवासी नागरिक काफी भयभीत व सहमे हुए हैं यहां के रहवासियों के अनुसार कही भी कार्य से आना जाना करने पर आवारा कुत्ते आतंकित कर दौड़ाते हैं जिससे कि जो वाहन चालक होते है वे अपनी बाईक वाहन को दौड़ाना पड़ता है जिससे वे वाहन से अपना नियंत्रण खो देते है जिसके फलस्वरूप आये दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पिछले दिनो ऐसी अनेक दुर्घटनाए हो चुकी है लेकिन इस ओर निगम प्रशासन कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। खासतौर पर महिलाओं और बच्चों में आवारा कुत्तों के आतंक को लेकर काफी खौफ हैं, इसलिए महिलाये और बच्चें अपना रास्त बदल कर आने जाने को मजबुर हो जाते है जिससे नागरिको को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता हैं बीते दिन पुरानी भिलाई गांधी नगर में ढाई साल के मासुम बालक शिवांश को आवारा कुत्ते ने बुरी तरह से काटने व नोचने से वह बालक लहूलूहान हो कर घायल कर दिया। उक्त बालक के पड़ोसियो ने डंडो से आवारा कुत्ते से उस बालक की जान बचाई वरना कुछ भी अनहोनी घटना हो सकती थी। मासुम बालक की माँ व पिता का अपने पुत्र को लहूलूहान घायल देख रो रो कर बुरा हाल हो गया।

घायल शिवांश की माता रीता धुरी व पिता विनोद धुरी उक्त घटना के बाद रोते रोते बेहोशी की स्थिति में पहुंच गये थे। इस तरह की घटनाओं से निगम- प्रशासन को सचेत रहने की आवश्यकता है। जैसा कि अप्रेल माह में आयोजित सुशासन शिविर में भी आवारा व आदमखोर कुत्तो से शहर को मुक्त करने की चर्चा की गई थी। लेकिन निगम प्रशासन नें इस ओर कोई ध्यान नही दिया,जिसके फलस्वरूप निगम प्रशासन की लापरवाही का खामीयाजा मासूम शिवांश को भुगतना पड़ा। दुर्ग भिलाई के नागरिको में उक्त घटना से निगम प्रशासन के खिलाफ काफी आक्रोश है।

दुर्ग पद्मनाभपुर कॉलोनी जहा पर संभ्रात परिवार निवास करते है और उससे लगी हुई कॉलोनी आदर्श नगर, बारेसी, कसारीडीह व विद्युत नगर कॉलोनीयों में भी आवारा कुत्तो को लेकर रोष व्याप्त हैं। दुर्ग नगर निगम का स्वस्थ्य अमला इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा दुर्ग निगम के स्वास्थ्य अधिकारी जनता कि समस्या केनिदान के लिए कोई काम नहीं कर रहे, वे सिर्फ धनलाभ वाले कार्य को ही कर रहे है जन समस्या को दूर करने का जो उनका कार्य है उससे उनका कोई सरोकार नहीं हैं। दुर्ग के नागरिको में यह शिकायते आम हैं कि जब भी कोई समस्या लेकर निगम स्वास्थ्य ऑफिस जाते हैं तो उन्हे स्वास्थ्य अधिकारी का गोलमाल जवाब मिलता हैं, या स्वास्थ्य अधिकारी गायब मिलते हैं। जैसा कि पूर्व में भी स्वास्थ्य अधिकारी के खिलाफ काफी शिकायते शासन से की गई है वर्तमान में भी उनकी कार्य शैली को लेकर शिकायते हो रही हैं स्वास्थ्य अधिकारी से जब दुरभाष से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि निगम द्वारा आावारा कुत्तों व मवेसीयों से शहर मुक्त करने का कार्य चल रहा है कोई इस तरह की समस्या होने पर निगम में 1100 नम्बर पर संपर्क कर समस्या दर्ज कर सकते हैं।

दिवंगत पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से मिले पीएम मोदी, जताया शोक

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे के बाद पीएम मोदी आज घटनास्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद विमान हादसे में जिंदा बजे रमेश विश्वास कुमार से मुलाकात भी की। वहीं प्लेन क्रैश हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन हो गया था। पीएम मोदी ने आज दिवंगत पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने विजय रूपाणी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा, विजयभाई रूपाणी जी के परिवार से मिला। यह अकल्पनीय है कि विजयभाई हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता हूं। हमने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिसमें सबसे चुनौतीपूर्ण समय भी शामिल है। विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। पद पर बढ़ते हुए, उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालीं और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगन से काम किया। पीएम मोदी ने आगे लिखा, राजकोट नगर निगम में, राज्यसभा सांसद के रूप में, गुजरात भाजपा अध्यक्ष के रूप में और राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में, उन्होंने हर भूमिका में खुद को प्रतिष्ठित किया। जब विजयभाई गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब भी मैंने और मैंने मिलकर काम किया था। उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जिससे गुजरात के विकास में तेजी आई, खासकर 'जीवन की सुगमता' को बढ़ावा मिला। हमारे बीच हुई बातचीत हमेशा याद रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

रानीतरई सोसाइटी अध्यक्ष विवेक साहू पर नियम उल्लंघन का आरोप, पद से हटाने की मांग तेज

राजनांदगांव (समय दर्शन)। रानीतरई सहकारी समिति के प्राधिकृत अध्यक्ष विवेक साहू के खिलाफ गंभीर आरोपों ने जोर पकड़ लिया है। पूर्व जनपद सदस्य योगेंद्र दास वैष्णव ने उपपंजीयक कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कर साहू को अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की है। वैष्णव का आरोप है कि साहू ने सहकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए उपपंजीयक को गलत जानकारी देकर और अंधेरे में रखकर अध्यक्ष पद हासिल किया। इस मामले ने स्थानीय किसानों के बीच असंतोष को बढ़ावा दिया है, जो समिति के कामकाज और पुनर्गठन में निष्क्रियता से नाराज हैं। योगेन्द्र दास वैष्णव ने अपनी शिकायत में सहकारी नियमों की उप विधि क्रमांक 11 का हवाला दिया, जिसमें यह अनिवार्य है कि अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार का पिछले पांच वर्षों से समिति में सक्रिय लेन-देन होना चाहिए। वैष्णव ने दावा किया कि विवेक साहू का पिछले पांच वर्षों से कोई लेन-देन नहीं है, फिर भी उन्होंने कथित तौर पर भाजपा सरकार के प्रभाव का दुरुपयोग कर उपपंजीयक को गुमराह किया और अध्यक्ष पद पर काबिज हो गए। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने किसानों के हित में सहकारी समितियों को छोटे-छोटे इकाइयों में विभाजित कर पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू की है। इस प्रक्रिया के तहत रानीतरई समिति के अंतर्गत आने वाले किसी भी गांव में नई समिति का गठन नहीं किया गया है। वैष्णव ने आरोप लगाया कि विवेक साहू ने इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया, जिससे किसानों के हित प्रभावित हुए हैं। स्थानीय किसानों में साहू के खिलाफआक्रोश बढ़ रहा है, और वे समिति के कामकाज में पारदर्शिता और सक्रियता की मांग कर रहे हैं। वैष्णव ने उपपंजीयक से इस मामले की गहन जांच कर विवेक साहू को अध्यक्ष पद से हटाने और नियमों के अनुसार उचित कार्रवाई करने की मांग की है। इस शिकायत ने रानीतरई सहकारी समिति के प्रशासनिक कामकाज पर सवाल उठाए हैं, और अब सभी की नजरें उपपंजीयक कार्यालय की कार्रवाई पर टिकी हैं।

केनरा बैंक वसूली हेतु करेगा सम्पत्ती नीलामी

दुर्ग (समय दर्शन)। केनरा बैंक शाखा ने अपनी बैंक राशि वसूली के लिए बकायादारो से बकाया बैंक राशि भुगतान के लिए बकायादारो की सम्पत्तियों को नीलाम करने का फैसला लिया। जिस भी बकायदा दारो ने बैंक के नियमो का पालन नहीं करते हुए काफी समय सें बैंक राशि का भुगतान नहीं किया है ऐसे व्यक्तियो की स्थायी सम्पत्तियों को निलाम कर बैंक प्रबंधक ने अपनी वसूली करने की पूरी तैयारी कर ली है। इसमें राजकुमार वर्मा (ऋणी) पिता गंगाराम लोधी ग्राम-बोटेपार पोस्ट-पटेवा जिला-राजनांदगाव श्रीमती त्रिवेणी बाई पति राजकुमार लोधी व कुलेश्वर वर्मा पीता गोविंद राम वर्मा ग्राम-बोटेपार पोस्ट-पटेवा जिला-राजनांदगाव के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी स्थायी सम्पत्ती खसरा नं 559/4 ग्राम बोटेपार प.ह.न. 05 आर.आई.सर्कल-घुमका जिला राजनांदगाव क्षेत्रफल 0,06ए, 0,024 हे. 2610 वर्ग फिट में आवासी मकान जिसकी मांग सुचना दिनांक 29.04.2023 और कब्जा सूचना दिनांक 23.08.2023 हैं इसमें बकाया राशि 18,14,488,10 हैं इसमें 10.06.2025 पर भविष्य का ब्याज और लागत खर्चा आदि है केनरा बैंक प्रबंधंक योगेश रंगा के अनुसार इसका आरक्षित मूल्य 9,50,000,धरोहर राशि 95,000 व बीड बढ़ाने की राशि 10,000 हैं। केनरा बैंक प्रबंधक योगेश रंगा के अनुसार उक्त सम्पत्ति को दिनांक 25.06.2025 व 18.07.2025 को निलामी की प्रक्रिया की जाएगी।

अवैश शराब बेचने वाली महिला गिरफ्तार

राजनांदगांव, 12 जून (आरएनएस)। जिले की चिचोला चौकी पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वाली महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18 पाव देशी शराब व बिक्री रकम जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस चौकी चिचोला को दिनांक 11.06.2025 को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम मुंगलानी रोड साहू किराना स्टोर के पास लालबहादूर नगर में एक महिला एक प्लास्टिक की थैला में अवैध रूप से शराब रख कर बिक्री कर रही है।

निधन : सत्यप्रकाश पाठक

दुर्ग । सुभाषनगर निवासी एवं जल संसाधन विभाग दुर्ग के सेवानिवृत्त सहायक अभियंता सत्यप्रकाश पाठक का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया। वे ओमप्रकाश पाठक, संजय पाठक के भाई एवं राहुल पाठक, रोहित पाठक के पिताजी थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मिले ग्रामीण सामाजिक अंकेक्षक इकाई की महिलाएं

राजनांदगांव (समय दर्शन)। विगत दिनों राजनांदगांव, बालोद, कांकेर की ग्रामीण सामाजिक अंकेक्षक ग्रुप (वीएसएएवीआरपी) ने अपनी महत्वपूर्ण मांग और समस्याओं को लेकर छग के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन से विशेष मुलाकात की।

ज्ञात हो कि वीएसएएवीआरपी एक सामाजिक अंकेक्षक इकाई है जो 2017 से प्रशिक्षण लेकर लगातार महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का पंचायत स्तर पर सामाजिक अंकेक्षण करती है। वर्तमान में छग सामाजिक अंकेक्षण इकाई (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग) द्वारा 6.06.2025 को आदेश जारी किया गया है कि अब 40 वर्ष से अधिक उम्र के (वीएसएएवीआरपी) सोशल आडिट नहीं कर सकते। विभाग द्वारा अचानक ऐसा आदेश जारी होने से सामाजिक अंकेक्षण का कार्य कर रहे (वीएसएएवीआरपी) बहुत व्यथित और चिंतित है तथा उम्र का बंधन होने से वे अब काम कैसे करेंगे, चूंकि उन लोगों के पास आय व रोजगार का अतिरिक्त जरिया नहीं है। प्रशिक्षित (वीएसएएवीआरपी) का कहना है

कि यदि प्रशिक्षण के दौरान यह बता दिया जाता कि 40 वर्ष उम्र होने के बाद काम नहीं करना है, तो कोई प्रशिक्षण भी नहीं लेते रोजगार के लिए कोई दूसरा विकल्प चुनते। सोशल ऑडिट के लिए अचानक उम्र बंधन संबंधित आदेश के कारण उन लोगों का भविष्य अधर में है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात के दौरान सामाजिक अंकेक्षक दल की महिलाओं ने मांग की है कि छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग) द्वारा उम्र बंधन से संबंधित आदेश को तत्काल वापस लिया जाए तथा 40 से अधिक उम्र के वीएसएएवीआरपी को भी सामाजिक अंकेक्षण कार्य की अनुमति शीघ्र प्रदान किया जाए, ताकि उन लोगों के बीच रोजी रोटी और परिवार के भरण पोषण की समस्या उत्पन्न ना हो, यदि आदेश वापस नहीं लिया जाता है तो छग में सामाजिक अंकेक्षण करने वाले सैंकड़ो वीएसएएवीआरपी बेरोजगार हो जायेगें।

डॉ. रमन सिंह ने मुलाकात के दौरान सामाजिक अंकेक्षण दल को आश्वस्त किया कि वे तत्काल छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग) को पत्र लिखकर समस्या का समाधान करेगें।

इस अवसर पर राजनांदगांव से कमलेश्वरी साहू, कुसुम साहू, छाया बोरकर, निर्मला साहू, चमेली साहू, ममता साहू, सुजाता साहू, शीला यादव, निर्मला टेम्भूलकर, बिमला बघेल, रेखा वर्मा, सीमा साहू, पावित्री एवं बालोद जिले से रागिनी साहू, मालती ठाकुर, दिलेश्वरी, रेखा सोरी, बसंता, सुशिमा, मीरा, तारिणी, तथा कांकेर जिला से संगीता लाटिया, द्रोपती फ्लेन्द्र, चंद्रिका सिन्हा, ओमिला सहित बड़ी संख्या में वीएसएएवीआरपी उपस्थित थे।

आवारा कुत्तों का आतंक, बच्चों का घर से निकलना मुश्किल, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरंदुल में काले रंग के आवारा कुत्तों के आतंक से दहशत का माहौल है। कुत्तों के काटने के डर से नगर के परिवार अपने बच्चों को घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दे रहे हैं और सख्ती के साथ उन्हें घर में ही रख रहे हैं। इस कारण बच्चों का खेलना-कूदना और बाहर जाना मुश्किल हो गया है। सावधानी बरतना जरूरी होने के बावजूद इस समस्या की ओर किसी का ध्यान नहीं है। नगरवासी सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कब तक वे डर के साये में जीने को मजबूर रहेंगे और इस समस्या पर कार्रवाई कब होगी? जनता प्रशासन से त्वरित कदम उठाने की मांग कर रही है।

छत्तीसगढ़ सब जूनियर बालिका हॉकी टीम हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ हॉकी की सब जूनियर बालिका हॉकी टीम हेतु एक दिवसीय चयन स्पर्धा विगत दिवस अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव में छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी के मार्गदर्शन में आयोजित की गई, जिसमें छत्तीसगढ़ हॉकी से मान्यता प्राप्त जिले एवं संस्थानों से कुल 76 बालिका हॉकी खिलाड़ियों ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ हॉकी के महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दिनांक 3 से 14 जुलाई 2025 तक रांची (झारखंड) में 15वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर बालिका हॉकी चैम्पियनशिप आयोजित की जा रही है।

इस हेतु राज्य की टीम के संभावित खिलाड़ियों का चयन ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 26 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयन पश्चात् 26 संभावित सब जूनियर बालिका हॉकी खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर बहुत जल्द अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव में आयोजित किया जायेगा। नेशनल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ अपना पहला मैच दिनांक 3 जुलाई को दादर नागर हवेली के साथ खेलेगी। उक्त चयन स्पर्धा में छत्तीसगढ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, एनआईएस हॉकी कोच अनुराज श्रीवास्तव, साई के हॉकी कोच परमजीत सिंह, रायपुर हॉकी अकादमी के प्रहलाद तांडी, विष्णु यादव, खेलो इंडिया सेंटर बस्तर के कोच कार्तिक यादव, शैलेन्द्र वर्मा, हिमांशु कबीरधाम से तथा आशा थॉमस, कृष्णा यादव, हिमांशु मलिक आयुष साहू आदि उपस्थित थें।

खेलगांव खम्हरिया एवं धनोरा के खिलाड़ी सेंट्रल जोन स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने नागपुर रवाना

दुर्ग(समय दर्शन)। एचसीएल फाऊंडेशन द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स फार चेंज के सातवें चरण की मध्य क्षेत्र जोनल स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन 14जून से 17 जून तक नागपुर (महाराष्ट्र) में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में खेलगांव खम्हरिया एवं धनोरा के कबड्डी एवं एथलेटिक्स के खिलाड़ी भाग लेने शिवनाथ एक्सप्रेस रेल्वे स्टेशन दुर्ग से रात 11 बजे रवाना हुए। एथलेटिक्स टीम:-टेंकेश्वर साहू,तेजस साहू, आदित्य देशमुख, युवराज साहू।

कबड्डी टीम:-समीर यादव(कप्तान)लोकेन्द्र प्रसाद साहू,यश कुमार साहू,चन्दन वैष्णव,हरीश ढीमर,विक्रम साहू,उमंग लहरे। ये सभी खिलाड़ी छ.ग.राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।वहीं कोच के रूप में बी.आर.साहू(अंतर्राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स खिलाड़ी)है।

यह सभी खिलाड़ी खेलगांव खम्हरिया में प्रतिदिन नियमित अभ्यास करने कोच बालकदास डहरे(पीटीआई

सेजस फरीदनगर भिलाई एवं बी.आर.साहू(अंतर्राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स खिलाड़ी के कुशल मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के लिए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर , दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल , श्रीमती दुलारी देशलहरे (सरपंच ग्राम पंचायत खेलगांव खम्हरिया)श्रीमती रूलेश्वरी बंजारे (सरपंच ग्राम पंचायत धनोरा),श्रीमान चंद्रशेखर बंजारे (अध्यक्ष सतनामी आश्रम दुर्ग एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष दुर्ग) टीकाराम साहू (उपसरपंच खम्हरिया) चंद्रप्रकाश टंडन वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता) दुष्यंत कुमार साहू (सहायक क्रीडा अधिकारी), श्रीमती नीलिमा गजपाल (प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनोरा)श्रीमती पुष्पा सिंह (प्रधान पाठक धनोरा),सुश्री सरस्वती बंजारे (पीटीआई धनोरा)श्रीमती विद्या रात्रे शिक्षक एलबी)दिनेश साहू , समस्त पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी खम्हरिया एवं धनोरा ने खिलाड़ी बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया।

कई महीनों से पाइपलाइन टूटी, तालाब पारा के निवासी कर रहे गंभीर पेयजल संकट का सामना

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरंदुल ।वार्ड क्रमांक 03, तालाब पारा के निवासियों को इन दिनों गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में पाइपलाइन के माध्यम से पानी की आपूर्ति होती है, लेकिन कई महीनों से पाइपलाइन टूटी होने के कारण हजारों लीटर पानी रोजाना व्यर्थ बह रहा है। इससे न केवल पानी की बर्बादी हो रही है, बल्कि पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, उपलब्ध पानी नाली में मिलकर दूषित हो जाता है, जिससे लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। इससे स्वास्थ्य जोखिम बढ़ रहे हैं।

निवासियों ने स्थानीय पार्षद देवती ठाकुर को इस समस्या से कई बार अवगत कराया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पार्षद का कहना है कि उन्होंने

नगर पालिका अध्यक्ष को सूचित किया है और पाइपलाइन की मरम्मत का निर्णय उनके ऊपर निर्भर है। इस बीच, वार्ड वासियों में नाराजगी बढ़ रही है, क्योंकि जहां अन्य क्षेत्रों में पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है, वहीं तालाब पारा में पानी की आपूर्ति न के बराबर है। निवासियों ने मांग की है कि नगर पालिका और जनप्रतिनिधि तत्काल इस दिशा में कार्रवाई करें, ताकि टूटी पाइपलाइन की मरम्मत हो, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो और स्वास्थ्य जोखिमों को कम किया जा सके। इस समस्या का शीघ्र समाधान न केवल आवश्यक है, बल्कि क्षेत्रवासियों के लिए जीवन रक्षक भी साबित हो सकता है।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने राजस्व विभाग की ली क्लास, कहा निजी हॉस्पिटलों, कॉलेज,स्कूलों में टैक्स को लेकर कार्रवाही

टैक्स लेने निकले तो रजिस्टर साथ लेकर चलें,बिना लाइसेंस के दुकान संचालित करने वालो के विरुद्ध होगी कार्यवाही : महापौर

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा राजस्व विभाग प्रभारी चंद्रशेखर चन्द्राकर के मौजूदगी में वार्डवार वसूली को लेकर राजस्व विभाग की क्लास ली।कहा कि, वसूली में गति लाने टीम बनाकर बड़े बकायादारों के पास डोर टू डोर संपर्क करे। व्यवसायिक एवं बड़ी संस्थानों में जाकर वसूली करें। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया है।

सोमवार को डाटा सेंटर सभागार में आयोजित राजस्व वसूली से संबंधित समीक्षा बैठक में महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि अधिकारी 16 जून से 16 जुलाई से सभी रुकावटों को दूर करते हुए लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहें। निगम राजस्व वसूलने के लिए लगातार निगरानी करें इस स्थिति में राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा।

टैक्स लेने निकले तो रजिस्टर साथ लेकर चलें,करदाताओं के नाम और मोबाइल नंबर भी लिखें,बिना लाइसेंस के दुकान संचालित करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करें

इस दौरान राजस्व अधिकारी आरके बोरकर और

बाजार अधिकारी शुभम गोइर ने बताया की राजस्व वसूली 50 करोड़ का लक्ष्य दिया गया है। युद्व स्तर पर अभियान चलाकर शत प्रतिशत राजस्व वसूली का लक्ष्य पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के दुकान संचालित करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करें।महापौर ने टैक्स वाली के समय किसी भी की न सुने बड़े बकायेदारों से कड़ाई कर करों की वसूली के निर्देश दिए।

प्रत्येक सहायक राजस्व निरीक्षकों की डिमांड के विरूद्ध मकान की संख्या एवं सम्पत्ति करदाता के संबंध में मांग पंजी से मिलान सहित रजिस्टर लेकर चले और मांग पंजी मिलान करें।

प्रत्येक वार्ड सहायक राजस्व निरीक्षक घर-घर जाकर वसूली करे,अगर कोई करदाता टैक्स वाली देने में आना कानी करते है तो नोटिस जारी कर नियमनुसार ताला बंदी और नल कनेक्शन की कार्रवाही करेंगे।

सख्त निर्देश वसूली में कोताही बर्दास्त नही की जावेगी। समीक्षा बैठक मे नामांतरण के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करे और भवन पूर्णता के आधार पर संपत्तिकर अधिरोपित करें। जिससे करों में वृद्धि हो सके।उन्होंने कहा कि जल विभाग से समांजस्य कर नये घरों से जलकर की वसूली करे।

उन्होंने कहा इसी प्रकार भवन शाखा से नये मकानों की जानकारी लेकर सम्पत्तिकर, जलकर व समेकितकर की वसूली करे। जिससे शतप्रतिशत वसूली हो सके।उन्होंने ये भी कहा कि बड़े बकायादारों से कडाई से वसूलना सुनिश्चित करे तथा प्रतिदिन की वसूली की जानकारी लेवे।उन्होंने कहा कि हर एक वॉड मे एआरआई रोजना 20 घरों का टारगेट दिए है।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने निजी हॉस्पिटलों, कॉलेज,स्कूलों में फायर सीप की जांच के साथ साथ टैक्स वसूली की कार्रवाही करें, साथ ही फायर सीप इन जगहों पर नही पाए पर जुर्माना की कार्रवाही करने की बात कही।उन्होंने यूजर चार्ज में बढ़ोतरी करने की बात कही।उन्होंने कहा कि यूजर चार्ज में कोई समझौता नही होगी।राजस्व बैठक के दौरान राजस्व अधिकारी राजकमल बोरकर,निशांत यादव,बाजार अधिकारी शुभम गोइर,निशांत यादव थानसिंह यादव,विनोद उपाध्यय,लव कुश,शिवा, लक्ष्य गोइर,पवन नायक, सत्येन्द्र, निखिल, धनवर्धन,नीरज मौजूद रहें।

पूरे प्रदेश में चला विशेष अभियान

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर कोण्डागांव में अभियान, दो बच्चों का रेस्क्यू

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बाल श्रम की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे प्रयासों को प्रदेश स्तर पर सख्ती के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रशासनिक प्रतिबद्धता, जन-जागरूकता और कड़ी निगरानी के माध्यम से बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और गरिमामय जीवन की ओर अग्रसर करने का संकल्प लिया गया है।

कोण्डागांव जिले में कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में श्रम विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, पुलिस व चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम द्वारा बाल श्रमिकों और भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों के चिन्हांकन और पुनर्वास के लिए अभियान चलाया गया। ढाबों, होटल, मोटर गैरेज, दुकानों में निरीक्षण कर संचालकों को समझाइश दी गई। दो बच्चों को रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिन्हें परिवार के पास सुरक्षित पुनर्वासित किया गया तथा शिक्षा विभाग के माध्यम से स्कूल से जोड़ा जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में बाल श्रम उन्मूलन के लिए जिलेवार अभियान चलाया गया। महासमुंद और कोण्डागांव सहित विभिन्न जिलों में प्रशासन, श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस तथा बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त प्रयासों से बाल श्रमिकों की पहचान, पुनर्वास और जन-जागरूकता की दिशा में व्यापक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

महासमुंद में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए निर्देश दिए कि जिले में बाल श्रम की किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संयुक्त जांच दल को होटल, ढाबा, निर्माण स्थल, दुकानों एवं अन्य संभावित स्थलों पर निरीक्षण करने कहा। साथ ही विकासखंड स्तर पर बाल श्रम विरोधी रैली, पोस्टर प्रदर्शनी और स्कूलों में विशेष सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। बाल श्रमिकों के पहचान हेतु 15 जून से 30 जून तक जिले में विशेष अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर ने बाल संरक्षण समिति की मासिक बैठक आयोजित कर सतत समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल से बाहर रह रहे बच्चों को पुनः स्कूल में लाया जाएगा और उनके परिवारों को शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा। बाल श्रम की रोकथाम हेतु बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 13, 14 व 15 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रम पदाधिकारी डी.एन. पात्र ने बताया कि वर्ष 2024 में 92 संस्थानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 14 के विरुद्ध श्रम न्यायालय में अभियोजन दायर किया गया। न्यायालय ने 9 संस्थानों को 5-5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। वहीं 2025 में अब तक 52 संस्थानों का निरीक्षण हुआ, जिसमें 12 संस्थानों पर सूचना बोर्ड न लगाने पर अभियोजन दायर किया गया है।

14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का नियोजन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। वहीं 14 से 18 वर्ष के किशोरों को खतरनाक और अधिसूचित व्यवसायों में कार्य कराना दंडनीय अपराध है। इनमें होटल, ढाबा, ईंट-भट्ठा, पत्थर खदान, बीड़ी उद्योग, ऑटो गैरेज, घरेलू काम, आदि शामिल हैं। दोषी पाए जाने पर 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा या 20 हजार से 50 हजार रुपए तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। बाल श्रम की शिकायत के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन 1098 और 1800-2332-197 पर संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया विमान हादसे पर राज्यपाल ने शोक व्यक्त किया

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल रमेन डेका ने अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने एवं यात्रियों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल डेका ने हादसे को अत्यंत पीड़ा दायक बताते हुए दिवंगत यात्रियों के प्रति अपनी संवेदना प्रगट की है। राज्यपाल ने कहा कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी मृतात्माओं को ईश्वर शांति प्रदान करें एवं उनके परिजनों को इस विकट परिस्थिति में धैर्य एवं संबल प्रदान करें। राज्यपाल ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

मुख्यमंत्री साय ने गुजरात विमान दुर्घटना पर जताया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को अत्यंत हृदयविदारक और दुखद घटना बताया है। उन्होंने इस भीषण दुर्घटना में मृत यात्रियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल और शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

कैबिनेट की बैठक 18 को, महत्वपूर्ण फैसलों पर लग सकती है मुहर

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 18 जून की सुबह 11:30 बजे मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित होगी। बैठक में मानसून सत्र में पेश होने वाले विधेयकों को मंजूरी मिल सकती है। साथ ही महत्वपूर्ण फैसलों पर भी मुहर लग सकती है।

युक्तियुक्तकरण से बीजापुर के 78 स्कूलों में पहुँचे शिक्षक

रायपुर (समय दर्शन)। शिक्षा के क्षेत्र में बीजापुर जिले के लिए यह एक ऐतिहासिक मोड़ है। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के अंतर्गत जिले के 78 शिक्षक विहीन स्कूलों में अब नियमित शिक्षकों की तैनाती कर दी गई है। इससे न केवल शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि वर्षों से बंद पड़े स्कूलों में फिर से पढ़ाई होगी। जिला शिक्षा कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन के निर्देशों के अनुरूप युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके तहत जिले में चिन्हांकित 198 अतिशेष शिक्षकों में से 189 शिक्षकों की नई पदस्थापना की गई है। इनमें 104 सहायक शिक्षक, 13 प्रधान अध्यापक (प्राथमिक), 45 शिक्षक, 31 प्रधान अध्यापक (माध्यमिक) और 5 व्याख्याता शामिल हैं। नई पदस्थापना के तहत 82 शिक्षक पूरी तरह शिक्षकविहीन स्कूलों में, 44 शिक्षक एकल शिक्षक वाले स्कूलों में और 63 शिक्षक सामान्य जरूरत वाले स्कूलों में भेजे गए हैं। विशेष बात यह है कि जिले के 76 ऐसे स्कूल जो दो दशकों से बंद पड़े थे, वहां अब पहली बार नियमित शिक्षक तैनात किए गए हैं। इनमें गुंडापुर, मुदवेंडी, हिरमगुंडा, बोटेतोंग, गुंजेपरती, जीड़पल्ली और मुरकीपाड़ जैसे दुर्गम और अतिसंवेदनशील इलाके शामिल हैं। इन गांवों में अब शिक्षकों की नियमित आवाजाही शुरू होगी, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। इसी तरह एक उच्च माध्यमिक विद्यालय, जहां सभी व्याख्याता पद रिक्त थे, वहां अब हिंदी और सामाजिक अध्ययन विषयों के व्याख्याताओं की नियुक्ति कर दी गई है। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी और स्कूल में विषयवार पढ़ाई सुनिश्चित की जा सकेगी। सरकार की इस पहल से शिक्षा व्यवस्था को मिली मजबूती एक बड़ा बदलाव लेकर आई है।

डीडी नगर में बढ़ते अपराध से दहशत, पुलिस पर लापरवाही के आरोप

रायपुर। राजधानी के डीडी नगर क्षेत्र, खासकर रोहिणीपुरम गोल चौक के आसपास मोबाइल लूट और चाकूबाजी की घटनाओं में तेजी से इजाफा हो रहा है। स्थानीय नागरिकों और पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस की सुस्ती और लचर निगरानी के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। वहीं, लगातार हो रही वारदातों के बावजूद 15 दिन बीत जाने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, जिससे लोगों में नाराजगी है।

दिन-दहाड़े लूट, कैमरे में कैद लेकिन कोई कार्रवाई नहीं

लोकमान्य सोसायटी, रोहिणीपुरम के निवासी वैदुर्य निगम से मोबाइल लूट की घटना 28 मई को हुई थी। पास की एक मेडिकल स्टोर के सीसीटीवी फुटेज में सफेद स्कूटर पर सवार, मुंह ढंके हुए आरोपी की तस्वीर कैद भी हुई, लेकिन फुटेज की कम गुणवत्ता और अधिक स्पीड के कारण स्कूटर का नंबर साफ नहीं दिख पाया। शासन द्वारा लगाए गए CCTV कैमरे भी नाकाफी साबित हो रहे हैं, क्योंकि उनमें नंबर प्लेट तक पढ़ने की क्षमता नहीं है।

एक दिन में दो वारदात, कोई एफआईआर नहीं- उसी दिन, टाटीबंध निवासी ओमप्रकाश साहू से भी डी.डी. नगर सेक्टर-1 के पास मोबाइल लूट की घटना हुई थी। उन्होंने भी लिखित शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

महिलाएं असुरक्षित, अंधेरे में बढ़ रहे अपराध

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में प्राप्त रौशनी की कमी और खराब स्ट्रीट लाइट्स के कारण अंधेरे का फायदा उठाकर अपराधी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इस क्षेत्र से गोल चौक से साइंस कॉलेज तक अक्सर वीवीआईपी मूवमेंट होता है, लेकिन इसके बावजूद अपराधियों पर कोई नकेल नहीं कसी जा रही है, जो पुलिस प्रशासन की लापरवाही और उदासीनता को दर्शाता है।

स्थानीय लोगों की मांग: सुरक्षा बढ़े, निगरानी हो सख्त- नागरिकों ने मांग की है कि CCTV की गुणवत्ता सुधारी जाए, स्ट्रीट लाइट्स दुरुस्त की जाएं, गश्त बढ़ाई जाए, पीड़ितों की शिकायतों पर तुरंत स्त्रढ्क्र दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

अब सवाल यह है कि क्या पुलिस प्रशासन चेतेगा, या रोहिणीपुरम और डी.डी. नगर में अपराध यूं ही बेलगाम चलता रहेगा?

विश्व रक्तदाता दिवस पर आरोग्य मेलों में लोगों ने ली रक्तदान की शपथ

रायपुर। विश्व रक्तदाता दिवस पर छत्तीसगढ़ के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित साप्ताहिक आरोग्य मेलों के माध्यम से रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने बुधवार को विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेशभर के 3807 आरोग्य मेलों में 46 हज़ार से अधिक नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच करायी जिसमे करीब 10 हजार से अधिक नागरिकों ने रक्तदान की शपथ ली तथा यह संकल्प दोहराया कि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी जरूरतमंद को समय पर रक्तदान कर जीवन बचाने में योगदान देंगे। इस वर्ष की थीम ""Give blood, give hope together we save lives" के अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रक्तदान पंजीकरण, शपथ समारोह, जागरूकता रैलियाँ एवं रक्तदाता सम्मान जैसे आयोजन संपन्न हुए। ग्राम पंचायतों में सरपंचों के मार्गदर्शन में भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे यह जनसहभागिता गाँव-गाँव तक

पहुँची। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पोस्टर प्रदर्शनी, रक्तदान प्रेरणा रैली तथा आदर्श रक्तदाताओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लोगों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे मानवीय सेवा का पर्व बना दिया। विभाग द्वारा बताया कि यह सामाजिक चेतना और सेवा भाव का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य है कि रक्तदान को हर जिले, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर जीवनदायिनी पहल के रूप में स्थापित किया जाए। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने इसे एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। सहभागी निर्माण की यह प्रक्रिया आने वाले समय में प्रदेश को आत्मनिर्भर रक्तदान तंत्र की दिशा में मजबूती देगी। रक्तदान न सिर्फजीवन बचाता है, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और सेवा की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

''रक्तदान की अवधि और पात्रता''

कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर 3 से 4 महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है और यह शरीर के लिए सुरक्षित है। 18 से 65 वर्ष की उम्र के बीच कोई भी स्वस्थ नागरिक रक्तदान कर सकता है।

छत्तीसगढ़ के 447 शिक्षक विहीन स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और समावेशी बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बेहद सार्थक परिणाम सामने आए हैं। राज्य की कुल 453 शिक्षक विहीन शालाओं में से 447 स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती कर दी गई है। राज्य में 16 जून से शुरू हो रहे नए शिक्षा सत्र से इन स्कूलों में घंटी बजेगी, क्लास लगेगी और बच्चों के पढ़ाई के स्वर गुंजेंगे। शिक्षक विहीन स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना से एक नई उम्मीद जगी है। गांवों में शिक्षक के आने की खबर से पालक और बच्चे बेहद खुश हैं। शासन-प्रशासन का आभार जताने के साथ ही पालकगण बच्चों के बेहतर भविष्य की उम्मीद फिर से संजोने लगे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि शिक्षा हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य के कई स्कूल शिक्षक विहीन स्थिति में थे विशेष रूप से सुदूर अंचलों के। इसलिए हमनें युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता से

लागू किया है और यह सुनिश्चित किया गया है कि जहां-जहां जरूरत हो वहां शिक्षकों की तैनाती हो। राज्य के शत-प्रतिशत शालाओं में शिक्षकों की पदस्थापना इस प्रक्रिया की सफलता का प्रमाण है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि हमारे बच्चों के भविष्य को संवारने की दिशा में किया गया सफल प्रयास है।

शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत शिक्षक विहीन 357 प्राथमिक शालाओं, 30 माध्यमिक शालाओं में नियमित शिक्षकों की पदस्थापना कर दी गई है। राज्य के शिक्षक विहीन 66 हाई स्कूलों में से सुकमा जिले के 4 हाई स्कूल तथा नारायणपुर जिले के 2 हाई स्कूल में शिक्षकों की पदस्थापना के लिए अभी काउंसलिंग की प्रक्रिया जारी है, जबकि 60 शिक्षक विहीन हाईस्कूलों में शिक्षकों की तैनाती पूरी कर ली गई है। जिला शिक्षा अधिकारी नारायणपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के 3 शिक्षक विहीन हाई स्कूलों में से सुलेगा धौड़ाई हाई स्कूल में 3 शिक्षकों की नियुक्ति युक्तियुक्तकरण के माध्यम से पूरी कर ली गई है। हाईस्कूल कन्हारगांव एवं सोनपुर हाईस्कूल में शिक्षकों की तैनाती के लिए 12 जून को काउंसलिंग की जाएगी। इसी तरह सुकमा जिले के चिंतलनार, गुम्मा, गंजेनार एवं कांजीपानी हाई स्कूल जिला स्तर पर पूरी हो चुकी युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बाद भी शिक्षक विहीन हैं। इन हाई स्कूलों में राज्य स्तर पर होने वाली काउंसलिंग के माध्यम से शिक्षकों की पदस्थापना की उम्मीद जिला प्रशासन को है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(तृतीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 169949/निविदा सूचना क्र. 01/वलेलि/2025-26, बेमेतरा दिनांक 13.06.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 30.06.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - बेमेतरा जिले के विकासखण्ड साजा के कर्रा व्यपर्तन योजना के अंतर्गत खैरी, बीजा, बोरतरा, सुअरतला माईनर एवं सबमाईनर का रिसेक्सनिंग कार्य लाईनिंग सहित एवं 05 नग हेड रेग्युलेटर, 05 नग की.आर.बी., 01 नग फाल, 01 नग स्केप. 01 नग ट्रफ 01 नग साईड बैंक प्रोटेक्शन एवं 31 नग कोलाबा निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत रु. 290.82 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 20.06.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संगाग, बेमेतरा
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार
संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

जी-252601533/3

Name Change

It is Informed to the general public that, I POONAM CHAND MANKUPIYA S/O SHRI SUNDER LAL MANKUPIYA, Resident of 123-1, Wd.38 Durg, Distt. Durg (C.G.) 491001 have changed my old name PUNAM CHAND MANKUPIYA in the all Documents. So in future I sould be recognized by my new name in the Documents that is POONAM CHAND MANKUPIYA in all Government & other documents.

POONAM CHAND MANKUPIYA S/O SHRI SUNDER LAL MANKUPIYA, Resident of 123-1, Wd.38 Durg, Distt.Durg (C.G) 491001

युक्तियुक्तकरण से पंडोपारा स्कूल में लौटी रौनक

रायपुर (समय दर्शन)। कोरबा शहर से करीब 100 किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच बसा पंडोपारा गांव, जहां पंडो जनजाति के लोग रहते हैं। यहां जब पहली बार स्कूल खुला था, तो गांव में खुशी की लहर दौड़ गई थी। पालकों को उम्मीद थी कि उनके बच्चे अब शिक्षा से जुड़ेंगे और जीवन में आगे बढ़ेंगे। लेकिन इस उम्मीद पर तब पानी फिरने लगा, जब स्कूल में सिर्फएक शिक्षक ही पदस्थ था। विद्यालय में एकमात्र शिक्षक होने के कारण बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा था। कभी शिक्षक छुट्टी पर होते, तो पूरी कक्षा बिना पढ़ाई के खाली बैठती थी। कई बार बच्चे सिर्फ स्कूल आकर दिनभर समय बिताकर लौट जाते थे। इस स्थिति से बच्चों के साथ-साथ पालक भी बेहद चिंतित रहते थे।

गांव के ही मंगल सिंह पंडो ने बताया कि हमारे बच्चे स्कूल तो जाते थे, लेकिन पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती थी। एक ही गुरुजी थे, वो भी छुट्टी में होते तो पूरा स्कूल ठप पड़ जाता था। अब खबर मिली है कि नए शिक्षक आने वाले हैं। बहुत खुशी हो रही है कि अब हमारे बच्चे खाली नहीं बैठेंगे, हर कक्षा में पढ़ाई होगी।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में शुरू की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से अब हालात बदल गए हैं। कोरबा जिले के 300 से ज्यादा एकल शिक्षकीय और शिक्षकविहीन विद्यालयों में अब शिक्षक पदस्थ किए गए हैं। इस प्रक्रिया के तहत जिले के 14 प्राथमिक शालाएं और 4 मिडिल स्कूल जो पहले शिक्षकविहीन थे, वहां अब पढ़ाई शुरू हो सकेगी। इसके अलावा 287 प्राथमिक और 20 मिडिल स्कूलों में भी अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। अब सभी मिडिल स्कूलों में कम से कम तीन शिक्षक और दूरस्थ क्षेत्रों की प्राथमिक शालाओं में दो शिक्षक पढ़ाएंगे। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और बच्चों को बेहतर माहौल मिलेगा।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO LTD
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (TRANS.) QTR. NO.-C-08/11, FIRST FLOOR, DANGANIYA, RAIPUR (C.G.) -492 013
Website- www.cspc.co.in e-mail: - cetrans.raipur@cspc.co.in Ph.No. 0771-2574411,4450

No.02-19/Tender/P- 79/356 Raipur, Dtd. 13/06/2025

NOTICE INVITING TENDER (Through e-bidding in SAP SRM System)

Sealed tenders are invited from eligible bidders for following work:-:-

Sl.	Tender No.	Particulars of works	E.M.D. (in Rs.)	Due date of opening
1	02-19/ Tender/ P-79/356 dtd. 13/06/2025 RFx No.- 8100043931	For supply, installation & other essential works at 400/220 KV S/s CSPTCL, Bhilai.	Rs. 31,300/-	04/07/2025 14:30Hrs.

Note: Other terms & condition, details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in

SAVE ELECTRICITY

Executive Director (Trans.)
CSPTCL: Raipur (C.G.)

Samwad-44178/3

संपादकीय

देश की मौजूदा राजनीति में न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण

प्रधान न्यायाधीश बीआर गंवई ने कहा है कि न्यायपालिका व विधायिका का मौलिक कर्तव्य है, देश के उस आखिरी नागरिक तक पहुंचना जिसे न्याय की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब भी संकट आया, भारत एकजुट रहा। इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता चैंबर भवन व मल्टीलेवल पार्किंग के उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, संविधान लागू होने पिछत्तर वर्ष की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका ने सामाजिक-आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है। बार व बेंच को सिक्के के दो पहलू बताते हुए मिल कर काम न करने पर रथ के आगे न बढ़ने की चर्चा भी की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिवक्ताओं की समस्याएं दर करने के लिए केंद्र के सतत प्रयासरत रहने और अधिवक्ता निधि की राशि बढ़ा कर पांच लाख करने की बात की। पेड़ों के नीचे बैठ कर काम करने वाले वकीलों की चर्चा करते हुए उन्होंने एयरकंडीशनर उनके गुस्से को ठंडा करने जैसी बात की। बेशक, यह केवल उच्च न्यायालय परिसर की बात थी। देश के किसी भी मुख्यमंत्री को विचारना चाहिए कि अमूमन वकीलों तो क्या जिला जजों के लिए न तो ढंग की बैठने की जगह है, न स्वच्छ/शीतल जल है। एसी तो बहुत दूर की बात है। प्रधान न्यायाधीश द्वारा की गई मुख्यमंत्री की तारीफ में इसका ख्याल किया जाना लाजिमी था क्योंकि जिलों में कार्यरत वकीलों व न्यायाधिकारियो को भी शीप्राधिकारियों से उम्मीद होती है कि वे उनकी दशा पर भी दो बाले बोलें। यह पहला मौका था जब प्रधान न्यायाधीश के तौर पर वे इलाहाबाद गए थे। हालांकि उन्होंने अपने वक्तव्य में उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद आगे की बात कहने पर भी जोर दिया। जैसा कि वे इसी वर्ष नवम्बर में रिटायर हो रहे हैं। देश की मौजूदा राजनीति में न्यायपालिका की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती जा रही है। संविधान समानता की दिशा तो दे रहा है मगर व्यावहारिक तथ्य यह भी है कि अभी भी बड़ा वर्ग आर्थिक-सामाजिक तौर पर वंचित है जिन्हें राजनीतिक दल केवल वोट बैंक के नजरिए से आंकते हैं। देश का वह आखरी नागरिक आज भी कातर भाव से शीर्ष पर बैठे लोगों को ताक रहा है जिसे न तो अपने अधिकारों का ज्ञान है, न ही उसकी तूती की आवाज में दम है।

राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। इसके अलावा प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि 'मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है' भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है, किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार पटेल, लाला लाजपत राय और न जाने कितने महान लोगों ने ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे-धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है कि राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन-केन-प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है और यही कारण है कि आज अधिकतर राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते हैं। सर्वविदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है। इसका उपयोग वे अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। राजनीति में भाई-भतीजावाद सामान्य लक्षण है। कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो; बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी, बेटे आदि को मिल जाए। इतना ही नहीं कई बार सगे-संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटिलज्म ठीक तरीके से पैर जमा चुका है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्त्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने में कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है, लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया।

आखिर कौन होगा भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष, अब इसके लिए लॉबिंग करवा रही हैं विदेशी खुफिया एजेंसियां?

कमलेश पांडे

देश-दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी का अगला नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन बनेगा, इसको लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के वरिष्ठ रणनीतिकारों के बीच माथापच्ची जारी है। कहने को तो यहां तक बताया जा रहा है कि अगले एक से डेढ़ महीनों में यह प्रक्रिया पूरी हो सकती है, क्योंकि राज्यों में संगठन चुनाव अंतिम चरण में हैं। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है! इसलिए सावधान! आखिर कौन होगा भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष, अब इसके लिए लॉबिंग करवा रही हैं विदेशी खुफिया एजेंसियां? जी हां, सीआईए की पूरी दिलचस्पी है इसमें! कुछ और छिपे रुस्तम होने की चर्चा है। तभी तो ब्रेक के बाद फैसला टल जाता है, पर कबतक?

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मामलों के एक जानकार ने नाम नहीं छापे जाने की शर्त पर बताया कि विगत कुछेक वर्षों से अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर किसी भी तरह से भाजपा/आरएसएस के रिश्तों को कमजोर करने में जुटी हुई है। इसके लिए वो नए भाजपा अध्यक्ष के नाम पर भी अंतर्विरोध पैदा करवा रही हैं। वहीं चीनी की खुफिया एजेंसी भारतीय विपक्ष को मजबूत करने के लिए हर दांव चल रही है। लेकिन मोदी मैजिक और योगी के हठयोग के आगे सबको पानी भरना पड़ रहा है।

वाकई, जिस तरह से इस महत्वपूर्ण पद के लिए एक अनार, सौ बीमार वाली स्थिति पैदा की जा रही है, वह किसी अन्य आशंका को भी जन्म दे रहे हैं। इसलिए भारत में कोई दूसरा 'मोरारजी देसाई' जैसा 'गद्दार पीएम' नहीं बन सके, यह भी देखना भाजपा-संघ की ही जिम्मेदारी है। क्योंकि जनता को उससे बहुत उम्मीदें हैं। इसलिए सोच समझकर फैसला करें और जल्दी करें। यही श्रेयस्कर होगा।

देखा जाए तो बीजेपी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कब मिलेगा, इसकी चर्चा तकरीबन एक-डेढ़ साल से चल रही है। जबकि अब यह तय माना जा रहा है कि अगले एक से डेढ़ महीनों के भीतर बीजेपी अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष तय कर लेगी। पार्टी मामलों के जानकारों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में सभी राज्यों में संगठन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, जिसके बाद तकरीबन 20 दिन में राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी। इस तरह से जुलाई आखिर या अगस्त के पहले हफ्ते में यह हो सकता है। वहीं कुछ लोग बता रहे हैं कि संसद के मानसून सत्र से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय सहमति बनाई जा रही है, क्योंकि अभी तक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पाई है।

पार्टी मामलों के जानकारों के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर अभी तलक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। जबकि पार्टी के सीनियर नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सीनियर पदाधिकारियों के बीच भी किसी एक नाम पर चर्चा नहीं हुई है। चूंकि अलग-अलग वजहों जैसे- आम चुनाव 2024, विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मूकश्मीर आदि के चलते सांगठनिक चुनाव की प्रक्रिया में देरी होती रही। वाकई, पहले विधानसभा चुनाव में अलग अलग राज्य इकाइयां व्यस्त थी और फिर 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सारा फोकस वहां शिफ्ट हो गया था।

वहीं, अभी यूपी, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के नाम तय नहीं हो पाए हैं। इस प्रकार कुल 28 राज्य और 9 यूटी में से अभी तक दो दर्जन में ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हो पाए हैं। इसके अलावा, संघ प्रमुख की सहमति भी एक बड़ी वजह बनकर सामने आई है, क्योंकि लोकसभा चुनाव 2024 में भले ही बीजेपी ने 370 सीटें जीतने का टारगेट रखा था, लेकिन संघ के कथित असहयोग की वजह से मैजिक नंबर 272 तक के करीब भी नहीं पहुंच पाई थी। जिसके बाद से ही यह तय माना जा रहा है कि अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी संगठन पर ज्यादा ध्यान देगा।

यही वजह है कि अब जो भी नया अध्यक्ष बनेगा, वह संघ की पूरी सहमति से ही बनेगा। अन्यथा भाजपा की नाव बीच मझधार में डूब सकती है। चूंकि अटल-आडवाणी की जोड़ी के बाद मोदी-शाह की जोड़ी तो हिट रही है, लेकिन विभिन्न कारणों से इन्हें अब पूरी छूट नहीं दी जा सकती है। क्योंकि पहले सिंधी-पंजाबी लॉबी और अब गुजराती लॉबी के मजबूत होने का जो संदेश जनमानस में गया है, उससे हिंदी पट्टी के जागरूक लोगों में गहरी निराशा है। यह इलाका समाजवादियों/कांग्रेसियों/वामपंथियों का गढ़ रहा है। इसलिए यहां पर भाजपा-संघ की पकड़ मजबूत बनाये जाने के संघ किसी जमीनी नेता को भाजपा की कमान सौंपना चाहता है।

वहीं, संघ ने यह भी साफ कर दिया है कि चूंकि केंद्र सरकार में या राज्य सरकारों में मंत्री रह चुके कई लोगों को इस बार सरकार में जगह नहीं मिली है, इसलिए यह माना जा रहा है कि उन्हें संगठन की जिम्मेदारी दी जा सकती है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। यही वजह है कि किसी केंद्रीय मंत्री के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की संभावना से भी पार्टी नेताओं ने इनकार किया हैं, जबकि मोदी-शाह लॉबी ऐसा ही करना चाहती है। वहीं बिहार विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय कैबिनेट फेरबदल होने की चर्चाएं भी तेज हैं, इसलिए कुछ करिश्माई फैसले की उम्मीद सबको है।

समझा जाता है कि इस बार जो भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा, वही अगले प्रधानमंत्री के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अगली कैबिनेट और राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, विभिन्न मंत्रियों आदि के चयन में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी, इसलिए संघ अपने मजबूत आदमी को इस पद पर बैठाना चाहता है, ताकि आडवाणी और शाह जैसी जलालत आगे झेलने की नौबत नहीं आए। यही वजह है कि औद्योगिक घरानों को भी संघ के सिपाहियों ने सतर्क कर दिया है कि व्यक्तिविशेष के प्रति निष्ठा रखेंगे तो मुश्किल बढ़ेगी।

भाजपा के संविधान के मुताबिक, जब कम से कम 50 प्रतिशत प्रदेशों में सांगठनिक चुनाव पूरे हो जाते हैं, उसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। ऐसे में जब राष्ट्रीय परिषद बन जाएगा तो राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन और मतदान और मतगणना की तारीख तय करते हैं। ऐसे में अगर नामांकन एक से ज्यादा उम्मीदवारों का हुआ तो फिर मतदान होता है। हालांकि बीजेपी के अब तक के इतिहास में कभी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए मतदान की स्थिति नहीं आई है। अबतक तो निर्विरोध ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हुआ है।

बीजेपी के संविधान के मुताबिक, पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष वही व्यक्ति बन सकता है, जो कम से कम 15 वर्षों तक पार्टी का सदस्य रहा हो। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचक मंडल करता है, जिसमें राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और प्रदेशों के सदस्य शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में से कोई बीस सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति के नाम का संयुक्त रूप से प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले जिला संगठनों के चुनाव, प्रदेश संगठन और राष्ट्रीय परिषद के चुनाव होते हैं।

बता दें कि भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की रेस में संजय जोशी, योगी आदित्यनाथ, मनोहर लाल खट्टर, मनोज सिन्हा, शिवराज सिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, सुनील बंसल, जी किशन रेड्डी आदि का नाम आगे है। इसमें से संजय जोशी व जी किशन रेड्डी के अलावा तमाम नाम संघ की कसौटी पर अनफिट बैठते हैं। इसलिए किसी अन्य तुरुप के पत्ते की भी पूरी गुंजाइश है जिसके लिए संघ-भाजपा मशहूर रहे हैं।

इनके तीनों के अलावे तमिलनाडु से आने वाली वानति श्रीनिवासन, तमिलिसाई सौंदर्यराजन और आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम व टीडीपी संस्थापक एन.टी. रामाराव की बेटी डी. पुरंदेश्वरी का नाम भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चल रहा है। चूंकि तीनों महिलाएं दक्षिण से आती हैं। इसलिए पार्टी इन्हें मौका देकर दक्षिण में अपनी पैठ बनाने में जुटना चाहती है।

गौरतलब है कि संसद का मानसून सत्र आगामी 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। इसलिए सत्र की शुरुआत से पहले नए भाजपा अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है। इस बाबत अगले हफ्ते से पार्टी की कवायद तेज हो जाएगी और 10 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष जल्द ही चुन लिए जाएंगे। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 में खत्म हो चुका है। इसलिए अब वह एक्सटेंशन पर हैं। खास बात यह है कि नड्डा भाजपा अध्यक्ष होने के साथ-साथ मोदी सरकार में मंत्री भी हैं। यानी एक व्यक्ति एक पद के कारण भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।

वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मानसून सत्र नहीं बल्कि अगस्त महीने में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर हलचल शुरू होने से पहले बीजेपी अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनना चाहेगी, क्योंकि चुनाव के दौरान विपक्ष के नैरेटिव को ध्वस्त किया जा सके।

बता दें कि भाजपा के संविधान के मुताबिक, बीजेपी के अध्यक्ष पद का कार्यकाल तीन साल का होता है। वहीं, एक व्यक्ति दो बार से अधिक पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। अब जो भी पार्टी के नए अध्यक्ष बनेंगे, उनके सामने 12 अहम चुनाव हैं। इस साल 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव। 2026 में, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम। 2027 में, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, पंजाब, राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति चुनाव में बीजेपी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी होगी।

इस नजरिए से देखा जाए तो भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के सिर पर फूल नहीं, बल्कि कांटों का ताज होगा। उनके लिए पार्टी की तीसरी पीढ़ी के नेताओं को साधने और चौथी पीढ़ी के काबिल युवाओं को आगे बढ़ाने की दोहरी जिम्मेदारी होगी, ताकि 2047 तक भाजपा का निष्कंटक राज बना रहे। पीएम नरेंद्र मोदी यही चाहते हैं, लेकिन यह सबकुछ संघ के फैसलों पर निर्भर करता है।

रक्षा परियोजनाओं में देरी टाइमलाइन

विनीत नारायण

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने 29 मई, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक सभा में रक्षा परियोजनाओं में देरी को लेकर महत्त्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा, 'टाइमलाइन बड़ा मुद्दा है। मेरे विचार में एक भी परियोजना ऐसी नहीं है, जो समय पर पूरी हुई हो। कई बार हम कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय जानते हैं कि यह सिस्टम समय पर नहीं आएगा। फिर भी हम कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लेते हैं।' यह बयान भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में चल रही प्रक्रिया पर सवाल उठाता है।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने अपने बयान में विशेष रूप से हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. द्वारा तेजस एमके1ए फाइटर जेट की डिलीवरी में देरी का उल्लेख किया। यह देरी 2021 में हस्ताक्षरित 48,000 करोड़ रु पये के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा है, जिसमें 83 तेजस एमके1ए जेट्स की डिलीवरी मार्च, 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक एक भी विमान डिलीवर नहीं हुआ है। उन्होंने तेजस एमके 2 और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में प्रोटोटाइप की कमी और देरी का भी जिक्र किया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद, जिसे उन्होंने 'राष्ट्रीय जीत' करार दिया गया है, उनके बयान का महत्त्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि यह रक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

पहली बार नहीं है जब एचएएल की आलोचना हुई है। फरवरी, 2025 में एयरो इंडिया 2025 के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने एचएएल के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था, 'मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं है, जो बहुत गलत बात है।' यह बयान एक अनौपचारिक बातचीत में रिकॉर्ड हुआ था, लेकिन इसने रक्षा उद्योग में गहरे मुद्दों को उजागर किया। रक्षा परियोजनाओं में देरी के कई कारण हैं, जिनमें से कुछ संरचनात्मक और कुछ प्रबंधन से संबंधित हैं। तेजस रुद्म1 की डिलीवरी में देरी का एक प्रमुख कारण जनरल इलेक्ट्रिक से इंजनों की धीमी आपूर्ति है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में समस्याएं विशेष रूप से 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर लगे प्रतिबंधों ने एचएएल की उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है। सिंह ने एचएएल को 'मिशन मोड' में न होने के लिए आलोचना की।

उन्होंने कहा कि एचएएल के भीतर लोग अपने-अपने साइलो में काम करते हैं, जिससे समग्र तस्वीर पर ध्यान नहीं दिया जाता। यह संगठनात्मक अक्षमता और समन्वय की कमी का संकेत है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही यह स्पष्ट होता है कि समय सीमा अवास्तविक है। फिर भी, कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए जाते हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू से ही खराब हो जाती है। यह एक गहरी सांस्कृतिक समस्या को दर्शाता है, जहां जवाबदेही की कमी है। हालांकि सरकार ने एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स में निजी क्षेत्र की भागीदारी को मंजूरी दी है, लेकिन अभी तक रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका सीमित रही है। इससे एचएएल और डीआरडीओ जैसे सार्वजनिक उपक्रमों पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती है, जो अक्सर समय सीमा पूरी करने में विफल रहते हैं।

भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली है। डिजाइन और विकास में देरी, जैसे कि तेजस एमके 2 और एएमसीए के प्रोटोटाइप की कमी, भी परियोजनाओं को और पीछे धकेलती है। रक्षा परियोजनाओं में देरी का भारतीय वायुसेना की परिचालन तत्परता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में भारतीय वायु सेना के पास 42.5 स्क्वाड्रनों की स्वीकृत ताकत के मुकाबले केवल 30 फाइटर स्क्वाड्रन हैं। तेजस एमके1ए जैसे स्वदेशी विमानों की देरी और पुराने मिग-21 स्क्वाड्रनों का डीकमीशनिंग इस कमी को और गंभीर बनाता है। देरी से रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति भी प्रभावित होती है।

सिंह ने कहा, 'हमें केवल भारत में उत्पादन की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि डिजाइन और विकास भी भारत में करना चाहिए।' देरी न केवल भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता को कमजोर करती है, बल्कि रक्षा उद्योग में विश्वास को भी प्रभावित करती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे हालिया सैन्य अभियानों ने स्पष्ट किया है कि आधुनिक युद्ध में हवाई शक्ति की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, और इसके लिए समय पर डिलीवरी और तकनीकी उन्नति अनिवार्य है। एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह के बयान ने रक्षा क्षेत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया है। रक्षा कॉन्ट्रैक्ट्स में यथार्थवादी समय सीमाएं निर्धारित की जानी चाहिए। सिंह ने सुझाव दिया, 'हमें वही वादा करना चाहिए जो हम हासिल कर सकते हैं।'

इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करने से पहले गहन तकनीकी और लॉजिस्टिकल मूल्यांकन की आवश्यकता है। एएमसीए प्रोजेक्ट में निजी क्षेत्र की भागीदारी सकारात्मक कदम है। निजी कंपनियों को रक्षा उत्पादन में और अधिक शामिल करने से एचएएल पर निर्भरता कम होगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। एचएएल और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों को 'मिशन मोड' में काम करने के लिए संगठनात्मक सुधार करने चाहिए। इसके लिए समन्वय, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और कर्मचारी प्रशिक्षण में सुधार की आवश्यकता है। इंजन और अन्य महत्त्वपूर्ण घटकों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता को कम करने के लिए स्वदेशी विकास पर ध्यान देना होगा। रक्षा खरीद प्रक्रिया को सरल और तेज करने की आवश्यकता है ताकि अनावश्यक देरी से बचा जा सके।

एयर चीफ मार्शल सिंह का बयान रक्षा क्षेत्र में गहरी जड़ें जमाए बैठी समस्याओं को उजागर करता है। उनकी स्पष्टवादिता न केवल जवाबदेही की मांग करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि भारत को आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए तैयार रहने के लिए तत्काल सुधारों की आवश्यकता है। तेजस एमके1ए, एमके 2 और एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स भारत की रक्षा क्षमता के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इनमें देरी न केवल हमारी फौज की तत्परता को प्रभावित करती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। सरकार, रक्षा उद्योग और निजी क्षेत्र को मिल कर इन चुनौतियों का समाधान करना होगा ताकि भारत न केवल उत्पादन, बल्कि डिजाइन और विकास में भी आत्मनिर्भर बन सके। सिंह का यह बयान चेतावनी तो है ही, लेकिन साथ ही रक्षा क्षेत्र को 'सर्वश्रेष्ठ' करने की दिशा में एक अवसर भी है।

(लेख में विचार निजी हैं)

दूध में भिगोया हुआ अंजीर खाने से मिलते हैं ये फायदे...

अंजीर, जिसे आयुर्वेद में गुणों का खजाना माना जाता है, एक बहुत ही सेहतमंद मेवा है। इसमें फाइबर, एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और मिनरल्स भरपूर होते हैं। ये सभी पोषक तत्व कई बीमारियों से बचाने में हमारी मदद करते हैं। आयुर्वेद के हिसाब से, भिगोए हुए अंजीर खाने से शरीर की गंदगी साफ होती है, कब्ज दूर होता है और एनर्जी बढ़ती है। इसे रोज खाने से हमारी हड्डियां मजबूत होती हैं और त्वचा में चमक भी आती है। जब हम इसे पानी में भिगोकर खाते हैं, तो इसके फायदे और भी ज्यादा बढ़ जाते हैं। लेकिन, अगर आप अंजीर के फायदों को दोगुना करना चाहते हैं, तो इसे दूध में भिगोकर खा सकते हैं। दूध में भिगोया अंजीर शरीर को और भी ज्यादा पोषण देता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी होता है, जो हमारी हड्डियों और दांतों के लिए बहुत जरूरी है। जब यह अंजीर के साथ मिलता है, तो ये दोनों मिलकर कमाल का असर दिखाते हैं।

दूध में भिगोया हुआ अंजीर खाने से मिलते हैं ये फायदे :

पाचन तंत्र को सुधारता है: अंजीर में मौजूद फाइबर और छोटे बीज आंतों की सफाई में मदद करते हैं। इसे रातभर दूध में भिगोकर खाने से कब्ज और अपच की समस्या दूर होती है। इसमें मौजूद फाइबर मल को नरम बनाता है और आंतों के स्वस्थ कामकाज को बढ़ावा देता है।

हड्डियों को मजबूत बनाता है: दूध और अंजीर का कॉम्बिनेशन हड्डियों को मज़बूत बनाने में बहुत मदद करता है। अंजीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होते हैं, वहीं दूध कैल्शियम से भरपूर है जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यह ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं को रोकने में सहायक है।

हार्ट के लिए है हेल्दी: अंजीर में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं, साथ ही ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल करते हैं । जिससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

वजन घटाने में सहायक: अंजीर वजन घटाने में मदद कर सकता है। इसमें कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और वजन घटाने में मदद करता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन में मदद करता है और पेट को भरा हुआ रखने में मदद करता है।

आषाढ़ महीने में भगवान विष्णु की पूजा करना शुभ

हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह वर्ष का चौथा महीना होता है, जिसकी शुरुआत ज्येष्ठ पूर्णिमा के बाद होती है। यह महीना आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसमें कई बड़े धार्मिक पर्व, व्रत और अनुष्ठान होते हैं। इस माह प्रमुख पर्वों में देवशयनी एकादशी, जगन्नाथ रथयात्रा और गुरु पूर्णिमा शामिल हैं। इन उत्सवों का सीधा संबंध भगवान विष्णु और गुरु परंपरा से होता है, जो इसे भक्ति और साधना के लिए उपयुक्त बनाते हैं। इस साल आषाढ़ माह 12 जून 2025 से शुरू होकर 10 जुलाई 2025 तक रहेगा। आषाढ़ महीने में भगवान विष्णु की पूजा करना अत्यंत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस मास से देवशयन आरंभ होता है, यानी भगवान विष्णु क्षीर सागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस कारण इस माह के बाद से मांगलिक कार्य जैसे विवाह आदि कुछ समय के लिए वर्जित हो जाते हैं।

आषाढ़ मास में क्या न करें?

विवाह, गृह प्रवेश जैसे कार्य इस माह से वर्जित हो जाते हैं, क्योंकि देवशयन काल आरंभ हो जाता है। शुद्ध और सात्विक आहार अपनाना इस माह में अनिवार्य माना गया है। इससे शरीर और मन दोनों शुद्ध रहते हैं। धार्मिक नियमों का उल्लंघन, झूठ बोलना, छल-कपट, चोरी जैसे कर्म से बचें। इस मास में वृक्षों की कटाई से बचें। पेड़-पौधे जीवन का आधार होते हैं, और धार्मिक दृष्टि से इनका संरक्षण शुभ माना जाता है।

आषाढ़ मास में क्या करें?

इस माह में विशेष रूप से श्रीहरि विष्णु की आराधना करें और 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें। गुरु पूर्णिमा इस माह का प्रमुख पर्व है, इसलिए अपने आध्यात्मिक या शैक्षणिक गुरु का आदर और सेवा करें। मानसिक और आत्मिक बल बढ़ाने के लिए ध्यान, मंत्रजप और योग का अभ्यास करें। इस महीने अन्न, वस्त्र, छाता, जलपात्र आदि का दान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। विशेष रूप से एकादशी व्रत का पालन करें, जो शरीर और मन की शुद्धि में सहायक होता है।

प्रेशर कुकर भारतीय रसोई में एक जरूरी उपकरण

प्रेशर कुकर भारतीय रसोई में एक जरूरी उपकरण बन चुका है। इससे खाना जल्दी बनता है, गैस की बचत होती है और पोषक तत्व भी बरकरार रहते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि गलत तरीके से इसका इस्तेमाल करने पर आपकी डिश पूरी तरह बर्बाद हो सकती है? कुछ सामान्य गलतियां खाने के स्वाद, बनावट और क्वालिटी को प्रभावित कर सकती हैं। आइए जानते हैं प्रेशर कुकर से जुड़ी 5 आम गलतियों के बारे में, जिन्हें सुधारकर आप बेहतरीन खाना बना सकते हैं।

प्रेशर कुकर में बना रहे हैं खाना तो न करें ये गलतियां

1. बहुत ज्यादा पानी डालना
जरूरत से ज्यादा पानी डालने से डिश का स्वाद और टेक्सचर बिगड़ सकता है। सटीक माप का ध्यान रखें, खासकर दाल, चावल और सब्जियों के लिए। रेसिपी में दी गई पानी की मात्रा को फॉलो करें।

2. बिना प्रीहीट किए खाना डालना
ठंडे कुकर में खाना डालने से खाना ठीक से नहीं पकता और टेक्सचर खराब हो जाता है। कुकर को हल्का गर्म करके ही सामग्री डालें, ताकि खाना सही तापमान पर पक सके।

3. सटीक टाइमिंग पर ध्यान न देना
जरूरत से ज्यादा या कम समय तक पकाने से खाने का स्वाद और पोषण दोनों प्रभावित हो सकते हैं। हमेशा रेसिपी के अनुसार टाइमिंग सेट करें। दाल, चावल और सब्जियां अलग-अलग समय में पकती हैं, इसलिए सही टाइमिंग का ध्यान रखें।

4. वेंट और रबर गैसकेट की सही देखभाल न करना
कुकर का ढक्कन ठीक से बंद नहीं होने पर भाप सही से नहीं निकलती और खाना सही तरीके से नहीं पकता। रबर गैसकेट और वेंटिलेशन की नियमित रूप से जांच करें और समय-समय पर इसे बदलें।

5. तुरंत कुकर खोलना
कुकर की भाप पूरी तरह निकलने से पहले ढक्कन खोलने से खाने की बनावट खराब हो सकती है। भाप को स्वाभाविक रूप से निकलने दें और फिर कुकर खोलें। इससे खाने का स्वाद और टेक्सचर बेहतर रहता है।

अगर आप चाहते हैं कि आपका खाना स्वादिष्ट, सही पकाया हुआ और पोषक तत्वों से भरपूर हो, तो प्रेशर कुकर इस्तेमाल करने में इन छोटी-छोटी गलतियों से बचना बेहद जरूरी है। सटीक पानी की मात्रा, सही टाइमिंग, नियमित देखभाल और सही तकनीक अपनाकर आप अपनी हर डिश को परफेक्ट बना सकते हैं।

नाखूनों पर लाइन आना किस बात के संकेत हैं

जानिए शरीर में किस चीज की कमी से ऐसा होता है?

साफ-सुथरे और सुंदर नाखून हाथों की खूबसूरती बढ़ाते हैं,लेकिन अगर नाखून खराब होने लगें, टूटने लगें, काले पड़ जाएं, पीले हो जाएं या फिर नाखूनों पर लाइन जैसी आने लगे तो ये सामान्य बात नहीं है। ऐसे नाखून दिखने में तो खराब लगते ही हैं साथ ही ये शरीर में पोषक तत्वों की कमी को भी दिखाते हैं। नाखूनों पर रेखाओं का उभरना कई कारणों की वजह से हो सकता है। जिसमें उम्र बढ़ना, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होने या फिर शरीर में किसी खास पोषक तत्व की कमी होना शामिल हो सकता है। जानिए ऐसा क्यों होता है?

नाखूनों पर लंबी और सफेद रेखाओं का आना उम्र बढ़ने का भी लक्षण है। बढ़ती उम्र में शरीर में पोषण की कमी होने लगती है जिससे ऐसी स्वास्थ्य संबंधी स्थितियां और पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। अगर लकीरे आधी तरफ है तो यह उम्र बढ़ने के कारण हो सकता है। इसे खतरनाक नहीं माना जाता है। लेकिन लाइन बहुत गहरी हैं और नाखून टूट रहे हैं, काले पड़ रहे हैं तो ये स्वास्थ्य से संबंधित संकेत हो सकते हैं।

नाखूनों पर रेखाएं बनना किस बात का संकेत है?

वर्टिकल यानि सीधी लाइन- अगर आपके नाखूनों में सीधी-सीधी लाइन आने लगी हैं जो हल्की हैं तो ये रेखाएं उम्र बढ़ने के साथ आम होती हैं। इन्हें खतरनाक नहीं माना जाता है। लेकिन अगर लकीरें काफी गहरी हैं और उसके साथ ही नाखून टूट रहे हैं या मलिनकिरण शरीर में किसी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। कई बार एक्जिमा, बहुत ड्राई स्किन, हाइपोथायरायडिज्म जैसी समस्याओं के कारण नाखून मोटे या पतले होकर टूटने लगते हैं। इससे नाखून आसानी से उखड़ सकते हैं। लाइकेन प्लेनस एक ऑटोइम्यून बीमारी जिसमें नाखूनों पर लकीरें पैदा हो सकती हैं। इन्हें ब्यू लाइन्स भी कहते हैं जो तनाव या किसी बीमारी के कारण भी बढ़ सकती हैं।

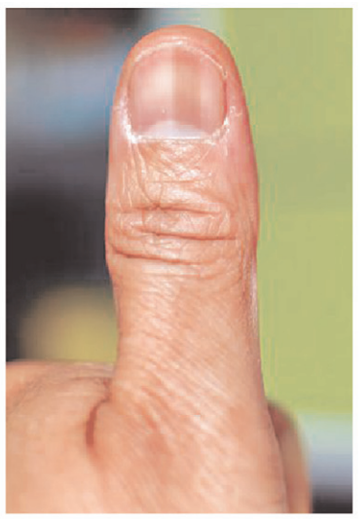

सफेद लाइन आना- इसे मेडिकल भाषा में ल्यूकोनीचिया स्ट्रिएटा कहते हैं। ये रेखाएं माइक्रोट्रामा, ऑनिकोमाइकोसिस या वंशानुगत बीमारियों की वजह से पैदा हो सकती हैं। अगर लाइन बढ़ रही हैं तो डॉक्टर को जरूर दिखाना चाहिए।

काली या भूरी लाइन पड़ना- कुछ लोगों के नाखूनों पर काली या भूरे रंग की लाइन पड़ने लगती है। इन्हें मेलानोनीचिया के रूप में जाना जाता है। नाखून पर दिखने वाली ये लाइन किसी आघात, संक्रमण, दवा के कारण भी पैदा हो सकती है।

काली लाइन आना- नाखूनों पर काली लाइन आना शरीर में विटामिन सी, जिंक और अन्य पोषक तत्वों की कमी की ओर इशारा है। इसके लिए पोषक तत्वों से भरपूर भोजन लें। हां अगर नाखून की रेखाओं से खून निकल रहा है या दर्द हो रहा है तो डॉक्टर को दिखाएं।

सफेद रेखाएं या बैंड- इसे मीस लाइन्स कहा जाता है। अगर आपने नाखूनों पर ऐसी लाइन या हल्का बैंड हो रहा है तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ये स्वास्थ्य स्थिति आर्सेनिक विषाक्तता या किडनी फेलियर का भी लक्षण हो सकता है। डॉक्टर से संपर्क करें।

आंखों की रोशनी बढ़ाएंगे ये 5 योगासन

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए बैलेंस डाइट लेने के साथ ही अपने रूटीन में भी बदलाव करें। बैड हैबिट्स को बाय-बाय कहें और गुट हैबिट्स की आदत डालें, इन्हीं गुड हैबिट में आता है योग जो आपको न सिर्फ फिट रखेगा, बल्कि आंखों को भी समय से पहले बूढ़ा होने से बचाएगा। चलिए जान लेते हैं वो कौन से योगासन हैं जो आंखों को रोशनी बढ़ाने में मददगार हैं।

न जरें कमजोर होना पहले बढ़ती उम्र की समस्या मानी जाती थी, लेकिन आज के टाइम में न सिर्फ बहुत सारे यंगस्टर्स आपको नजर का चश्मा पहने मिल जाएंगे, बल्कि कम उम्र के बच्चों में भी कमजोर नजर की समस्या काफी ज्यादा देखने में आने लगी है। इसके लिए यह बहुत जरूरी है कि खानपान को सही किया जाए, क्योंकि बिगड़ा हुआ आहार शरीर में पोषक तत्वों की कमी का कारण बनता है, जिससे न सिर्फ आंखें कमजोर हो जाती हैं, बल्कि कई और बीमारियां होने का जोखिम भी बढ़ जाता है। इसी के साथ अपने रूटीन में योग को शामिल करना चाहिए, जिससे आप तन और मन दोनों से हेल्दी रह पाएंगे। ऐसे योगा पोज भी हैं जो आपकी आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

त्राटक योग करें :- आंखों को स्वस्थ रखने के लिए त्राटक एक बेहतरीन योग क्रिया है। इसमें आपको एक आसामी सी प्रक्रिया दोहरानी होती है। सबसे पहले अंधेरे कमरे में मोमबत्ती जलाएं और उसे अपने आप से एक हाथ की दूरी पर किसी स्टैंड पर रखें। मोमबत्ती की ऊंचाई आपकी आंखों के बराबर होनी चाहिए। ताकि आप सीधे एकटक मोमबत्ती को निहार सकें। बिना पलक झपकाए जलती हुआ लौ को देखते रहें और जब आंखों में पानी आने लगे तो आंखों को बंद कर लें। इस प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएं और नियमित रूप से करें।

भस्त्रिका प्राणायाम :- प्राणायाम करना आपके पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है और इससे ब्रेन के भी फायदा मिलता है। आंखों को हेल्दी रखने के लिए भस्त्रिका प्राणायाम को आप अपने डेली रूटीन में जगह दे सकते हैं। ये आपके मन को भी शांत रखने में मदद करेगा और नजर में सुधार करने के साथ ही सांस संबंधी समस्याओं से भी राहत दिलाने में कारगर रहता है।

सर्वांगासन भी है फायदेमंद :- डेली रूटीन में एक से दो मिनट सर्वांगासन करें। इससे भी आंखों को फायदा मिलता है, क्योंकि सिर की ओर ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। ये योगा पोज आपको स्ट्रेस से भी राहत दिलाने में मदद करता है। इस आसन को नियमित रूप से करने से नींद में भी सुधार होता है और थायराइड वालों के लिए भी ये फायदेमंद योगासन है।

हलासन योगा पोज करें :- सर्वांगासन की तरह ही हलासन योग भी आंखों के लिए फायदेमंद रहता है और लगभग ये पोज एक जैसे ही होते हैं, बस इसमें इतना फर्क होता है कि मैट पर लेटने के बाद आपको पैरों को ऊपर ले जाने की बजाय पीछे की ओर ले जाना होता है। ये आपके बैली फैट को कम करने, डायबिटीज में सुधार करने जैसे फायदे भी करता है।

पामिंग करना भी फायदेमंद :- आंखों को हेल्दी रखने के लिए डेली रूटीन में कुछ सेकंड के लिए आई पामिंग करना चाहिए। ये खासतौर पर आंखों को हेल्दी रखने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया है। इसमें आंखों की मसल्स को रिलैक्स मिलता है और आई स्ट्रेस कम होता है। माना जाता है कि इससे आंखों के आसपास की मांसपेशियों का ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है, जिससे नजर कमजोर होने से बजाई जा सकती है। इसको आप काम के बीच में भी कर सकते हैं। जब आंखों में थकान महसूस हो तो हथेलियों को आपस में रब करें और फिर जब ये गर्म हो जाएं तो आंखें बंद करके हथेलियां पलकों पर रख लें।

खाना पकाते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

शरीर को मिलेगा सही पोषण

मां चाहे बच्चों और परिवार को पोषण भरा भोजन देना, लेकिन बच्चों को चाहिए होता है बाहर जैसा कुछ लजीज खाना। बाहर के खाने में उन्हें स्वाद ज्यादा मिलता है, फिर चाहे वह सेहतमंद हो या नहीं। वहीं अगर आप घर पर सेहत का ख्याल रखते हुए भोजन पकाएं तो स्वाद से ही सबसे ज्यादा समझौता करना पड़ जाता है। ऐसे में बच्चे घर के खाने से बचने की कोशिश करते हैं। उन्हें लुभाने के लिए कभी-कभी भोजन पकाते समय आप सेहत और स्वाद का तालमेल बनाने की जुगत लगाने लगती हैं। पर अकसर इस प्रक्रिया में आप कुछ ऐसी गलतियां कर रही होती हैं, जो सेहत से खिलवाड़ कर सकती हैं। अगर परिवार को सेहतमंद रखना है तो भोजन पकाने में कुछ बातों की सावधानी बरतनी होगी।

बर्तन भी सेहत के लिए जिम्मेदार

घर में खाना पकाते समय सबसे पहले सही बर्तन का चुनाव करना जरूरी है। सबसे पहले घर से एल्युमिनियम के बर्तन हटा दें क्योंकि ये स्वास्थ्य को बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं। इसकी जगह आप स्टील के कुकर इस्तेमाल कर सकती हैं। नॉनस्टिक की जगह कास्ट आयरन के बर्तन और अन्य सब्जियों के लिए लोहे के बर्तन ले सकती हैं। पीतल के बर्तन भी सेहतमंद होते हैं, लेकिन उसमें दूध या खट्टा भोजन नहीं पकाएं।

पकाने का तरीका भी रखता है मायने

भोजन पकाने के लिए आप क्या तरीका अपना रही हैं, यह भी आपके भोजन की गुणवत्ता तय करता है। भोजन को स्टीम, बेक या ग्रिल करने पर अतिरिक्त तेल से बचा जा सकता है। खाना पकाने के इन तरीकों में वसा की मात्रा भी कम होती है और भोजन को कोई नुकसान भी नहीं पहुंचता। डीप फ्राई की जगह एयर फ्रायर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके साथ ही खाने को बार-बार गर्म करने से भी बचना चाहिए। इससे भोजन का पोषण खत्म हो जाता है। कुछ भोजन जिन्हें उबालने की जगह भूनने का विकल्प भी मौजूद है, वहां भूनना बेहतर होता है।

सामग्री में करें बदलाव

आप घर पर ही कई व्यंजन बेहतर तरीके से बना सकती हैं। इन दिनों ग्लूटन एलर्जी अपने आप में एक समस्या है। इससे बचने के लिए शुद्ध गेहूं के आटे की जगह ज्यादा फाइबर वाला आटा इस्तेमाल करें, जैसे आप रागी, जौ और चना के आटे को गेहूं के आटे में मिला सकती हैं या केवल इनकी रोटी बना सकती हैं। गेहूं का आटा भी बिना छाने इस्तेमाल करना बेहतर रहता है। इसी प्रकार रिफाइंड या वेजिटेबल ऑयल से बचें और उसकी जगह देसी घी, सरसों का तेल या ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें। साधारण चावल की जगह आप ब्राउन राइस इस्तेमाल कर सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में जिला पंचायत दुर्ग का नाम दर्ज

पाटन (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का महत्व सिर्फ लाभार्थियों को पक्का छत मुहैया कराना ही नहीं है साथ ही उन्हें बेहतर जीवनशैली स्वच्छ और स्वच्छ पर्यावरण के साथ साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन भी है, इसी तारतम्य में आज जिला पंचायत दुर्ग अंतर्गत पाटन दुर्ग और धमधा विकासखंड की ग्रामों में प्रधानमंत्री आवास योजना से बनाए जा रहे आवास के साथ साथ वर्षा जल संचयन के संदेश देने के लिए जिले की 1200 आवास हितग्राहियों के घरों में स्वप्रेरणा से सोकपीट निर्माण कार्य कराया गया। जिसमें पाटन विकासखंड के 108 ग्राम पंचायतों में 432 सोकपीट निर्माण कराया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की तरफ से डॉ मनीष विश्नोई डायरेक्टर और श्री सुबोध कुमार सदस्य द्वारा पाटन ब्लाक में आवास हितग्राहियों द्वारा स्वप्रेरणा से बनाए जा रहे सोकपीट का निरीक्षण किया गया जिसमें ग्राम पंचायत ढ़ौर माणिकचौरी और पतोरा का दौरा कर आवास हितग्राहियों से चर्चा की और वर्षा जल संचयन के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दुर्ग बजरंग दुबे, सीईओ जनपद पंचायत पाटन पठारे अभिजीत बबन आईएएस, मनरेगा एपीओ अरदीप ढीढी, अतिरिक्त सीईओ श्वेता यादव मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी डालिमलता नाग एसडीओ राकेश वर्मा, सरपंच ढ़ौर मेघा ठाकुर, सरपंच माणिकचौरी महेश साहू सरपंच पतोरा भुनेश्वर साहू सचिव महेंद्र साहू, प्रदीप चंद्राकर, श्यामा चंदेल सहित जिला और ब्लाक स्तर के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुंगेली में वायुयान दुर्घटना में दिवंगतों को श्रद्धांजलि, स्व. विजय रुपाणी को भी किया गया नमन

मुंगेली(समय दर्शन) अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान,ढ्ढ-171 ड्रीमलाइनर टेकऑफके दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कुल 261 लोगों की मृत्यु हो गई। इनमें 229 यात्री, 12 क्रू मेम्बर और पास के एक हॉस्टल में भोजन कर रहे कुछ इंटर्न डॉक्टर शामिल हैं। इस हृदयविदारक दुर्घटना में रमेश विश्वास कुमार नामक एक यात्री चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए। इसी संदर्भ में गुरुवार को अटल परिसर, जिला भाजपा कार्यालय मुंगेली में दिवंगत यात्रियों और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. विजय रुपाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सभी ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, पूर्व अध्यक्ष शैलेश पाठक, विनय पाण्डेय, सुनील पाठक, मिट्ठूलाल यादव, राणाप्रताप सिंह, कोटूमल दादवानी, नंदू सिंह, जयप्रकाश मिश्रा, मानस सिंह बैस, राजीव श्रीवास, रामशरण यादव, अमितेष आर्य, मन्नू श्रीवास्तव, रितिमा लाल, जितेंद्र दावड़ा, महेंद्र पारख, प्रवीण सोनी, पवन मिश्रा, रविन्द्र केशरवानी, अनूप जैन, संतोष लखवानी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने इस दुर्घटना को राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताते हुए दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

18 जून को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन) शिक्षित बेरोज़गार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, मुंगेली द्वारा 18 जून को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप जिला परियोजना कार्यालय, जिला लाइवलीहुड कॉलेज परिसर, ग्राम-जमकोर में प्रातः 11 बजे से सायं 03 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैंप में ग्रीन एंटेक सॉल्यूशन के माध्यम से फील्ड ऑफिसर एवं बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर के कुल 38 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 12वीं एवं स्नातकोत्तर उत्तीर्ण आवेदकों की नियुक्ति की जाएगी। रोजगार अधिकारी ने सभी योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं स्थान एवं समय पर उपस्थित होकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

ग्राम पंचायत जंघोरा के सेल्समैन की मनमानी के चलते राशन के लिए भटक रहे ग्रामीण

■ नहीं हो रहा चावल उत्सव के नियमों का पालन

पिथौरा (समय दर्शन)। विकासखण्ड पिथौरा के ग्राम पंचायत जंघोरा के सेल्समैन की मनमानी के चलते राशन के लिए ग्रामीण भटक रहे हैं । चावल उत्सव के नियमों का पालन नहीं हो रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार जून महीने के 12 दिन बीत जाने के बाद भी राशन दुकान बंद है। राशन लेने के लिए ग्रामीण परेशान हैं । महासमुंद जिला के पिथौरा तहसील से लगे ग्राम पंचायत जंघोरा में सेल्समैन की मनमानी के चलते ग्रामीण राशन के लिए भटक रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार का आदेश है कि जून में तीन माह का चावल दिया जाना हैं किन्तु छ.ग. शासन के नियमों को ताक में रख कर सेल्समैन द्वारा भारी लापरवाही की जा रही हैं। जून माह के 12 दिन बीत चुके हैं अभी तक महज 20 लोगों को ही राशन मिल पाया हैं ,ऐसे में सभी राशनकार्डधारीयों को राशन कैसे मिलेगा। गांव के सभी ग्रामीण राशन के लिए चिंतित हैं, कुछ ग्रामीण दूसरे गांव के सोसाइटियों का सहारा ले रहे हैं।

सेल्समैन के मनमाना रवैया से गाँव के लोग दुखी हैं ।

ग्राम पंचायत जंघोंरा के ग्रामीणों का आरोप है कि सेल्समैन द्वारा मनमाना ढंग से सोसाइटी को खोला जाता हैं, अभी लगातार सोसाइटी बंद है लेकिन सेल्समैन के द्वारा किसी प्रकार की सूचना ग्रामीणों को नहीं दिया गया हैं। ग्रामीण रोज सोसाइटी के चक्कर काट रहे हैं। ग्रामीण लगातार सेल्समैन से संपर्क साधने की कोशिश कर रहे हैं, किन्तु सेल्समैन किसी का भी फोन उठाना उचित नहीं समझता है।

ग्रामीणों ने बताया कि मई माह में राशन का वितरण किया गया था। अब जून के 12 दिन बीत चुके है ग्रामीणों के पास अब राशन पूर्ण रूप से खत्म हो चुका हैं। ग्रामीण बाजार से अधिक कीमतों में चावल नहीं खरीद सकते है। ऐसे में ग्रामीण रोज सोसाइटी के चक्कर लगा रहे हैं। जिससे ग्रामीणों के दिहाड़ी कार्य भी नुकसान हो रहा हैं।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चावल उत्सव मनाया जा रहा है। सीएम विष्णुदेव साय जी ने आदेश जारी कर जून माह में जुलाई व अगस्त तीनों महीनों का राशन देने को कहा हैं किन्तु सक्षम अधिकारी राशन का सही वितरण हो रहा है कि नहीं इसकी जांच क्यों नहीं कर रही हैं। प्रशासन मे बैठे अधिकारी कर्मचारी को सुध लेने की जरूरत है।

पीएम आवास के 127 हितग्राही 16 से 23 जून तक दावा आपत्ति कर सकते है

भिलाईनगर। राज्य शासन के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बी.एल.सी.) घटक अंतर्गत मकान आबंटन किया गया है। उसका रैपिड असेंसमेंट सर्वे से प्राप्त दस्तावेज के आधार पर शासन के निर्देशानुसार तृतीय फेस में निकाय की संयुक्त समिति द्वारा परीक्षण उपरांत संशोधित 127 पात्र आवेदनों की सूची दावा आपत्ति हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। जिस किसी व्यक्ति, संस्था अथवा समूह को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा हो तो दिनांक 16.06.2025 से 23.06.2025 तक की अवधि में प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय जोन क्रं. 03 प्रथम

तल में लिखित रूप से दावा आपत्ति कर सकते है। दिनांक 23.06.2025 पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति अमान्य होगा। रैपिड असेंसमेंट सर्वे में तृतीय फेस में 127 पात्र आवेदकों की सूची को नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय एवं सभी 5 जोन कार्यालयों के सूचना पटल एवं वार्डो के मुख्य स्थलों पर चस्पा किया गया है। नागरिक अपनी सुविधा अनुसार जाकर दावा आपत्ति कर सकते है।

मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर के वार्षिकोत्सव में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगी भीड़

दुर्ग (समय दर्शन)। गायत्री मंदिर वार्ड संतराबाड़ी स्थित मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर एवं दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर का चतुर्थ वार्षिक उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही दर्शन के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दोपहर में शिवजी का रुद्राभिषेक एवं महाआरती की गई। शाम को आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति दी गई।

भजन संध्या में महादेव और हनुमान जी के भजनों की धुन में श्रद्धालुओं ने नाच गाकर अपनी आस्था और श्रद्धा प्रकट की। वार्षिकोत्सव पर शाम को महाप्रसादी का वितरण किया गया। महाप्रसादी ग्रहण करने सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु जुटे। इस दौरान मंदिर समिति के सदस्य कमलेश सिंह, अधिवक्ता प्रांजल सिंह के अलावा अन्य सदस्य व्यवस्था बनाने में सक्रिय रहे।

शाला प्रवेश उत्सव से पहले होगी स्कूल को साफ सफाई, बी ई ओ ने लो बैठक

पाटन (समय दर्शन)। आगामी 16 जून को विद्यालय खुल रहा है।विद्यालय खुलने के पूर्व की तैयारी के सम्बंध में शुक्रवार को पाटन के स्वामी आत्मानंद आडोटोरियम में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रदीप महिलांगे ने प्रधान पाठकों से बैठक के दौरान चर्चा कर सम्पूर्ण तैयारी सुनिश्चित करनें निर्देश दिए। बैठक में मुख्य रूप से शाला प्रवेशोत्सव, विद्यालय भवन की साफ-सफाई, रंग-रोगन, शौचालयों की सफाई, किचन की सफाई एवं यूडाईस प्रोग्रेशन, अपार आईडी जनरेट, आधार कार्ड, जाति प्रमाणपत्र आदि पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई हेतु समस्त संस्था प्रमुख एवं संकुल समन्वयकों को निर्देश दिए। विद्यालय स्तर पर शाला प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम 16 जून को ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सम्मान पूर्वक बुलाकर हर्षोल्लास के साथ मनाने कहा एवं प्रवेशोत्सव के उपरांत एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम अंतर्गत विद्यालय परिसर में पेड़ लगाकर लिंक में अपलोड सुनिश्चित करने निर्देश दिए। विद्यालय परिसर की साफ-सफाई के साथ भवन का रंग-रोगन, किचन शेड की सफाई, शौचालयों की सफाई विद्यालय खुलने के पूर्व

अनिवार्यता सुनिश्चित करने संस्था प्रमुख को निर्देश देते हुए सभी शौचालय शाला समय तक खुला रहे सख्त निर्देश दिए।शाला प्रवेशोत्सव के दौरान दो सेट गणवेश व पुस्तक का वितरण भी सुनिश्चित करेंगे।साथ में नेवता भोजन कार्यक्रम को प्रमुखता से ध्यान देते हुए कार्यक्रम प्रारंभ करवाना है निर्देश दिए।

पाठ्य-पुस्तक निगम द्वारा प्राप्त सभी पुस्तकों को टीबीसी सी जी एप पर स्कैनिंग अनिवार्यता सुनिश्चित करेंगे। विद्यालय प्रारंभ के दिवस से ही समय सारणी अनुसार अध्यापन कार्य हो संस्था प्रमुख सुनिश्चित करायेंगे।

विद्यालय स्तर पर संधारण किए जाने वाले समस्त पंजी संधारित हो और अद्यतन करते रहे जिससे अपार आईडी जनरेट , जाति प्रमाणपत्र या दर्ज संख्या या फिर विद्यालय से सम्बंधित इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी का आदान-प्रदान सरल होगा। अपार आईडी जनरेट शत-प्रतिशत हो सुनिश्चित करेंगे। विद्यालय वार अपार आईडी, जाति प्रमाणपत्र, विद्यार्थियों का प्रोग्रेशन की जानकारी संस्था प्रमुख के साथ संकुल समन्वयक से वन टू वन चर्चा करते हुए सभी विद्यार्थियों की जानकारी अपडेट करने निर्देश दिए। शासनादेश का परिपालन करते हुए कार्यक्रम का आयोजन व पालनार्थ प्रतिवेदन से विकास खण्ड कार्यालय को अवगत करेंगे। युक्तियुक्तकरण के बाद मर्ज हुए विद्यालय में हायर स्तर के विद्यालय, शाला का संचालन करेंगें साथ ही सामग्री, चल अचल संपत्ति का हस्तांतरण भी सुनिश्चित करेंगें।

किसी भी परिस्थिति में जर्जर कक्ष में अध्ययन -अध्यापन का कार्य नहीं कराना है। अंत में नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 के शुभकामनाएं देते हुए सभी को बेहतर कार्य करने अग्रिम बधाई दिए। बैठक में बीआरसी,संकुल समन्वयक, प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय के संस्था प्रमुख शामिल रहे ।

औद्योगिक प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण

■ अनियमितता पाये जाने पर जारी किया नोटिस

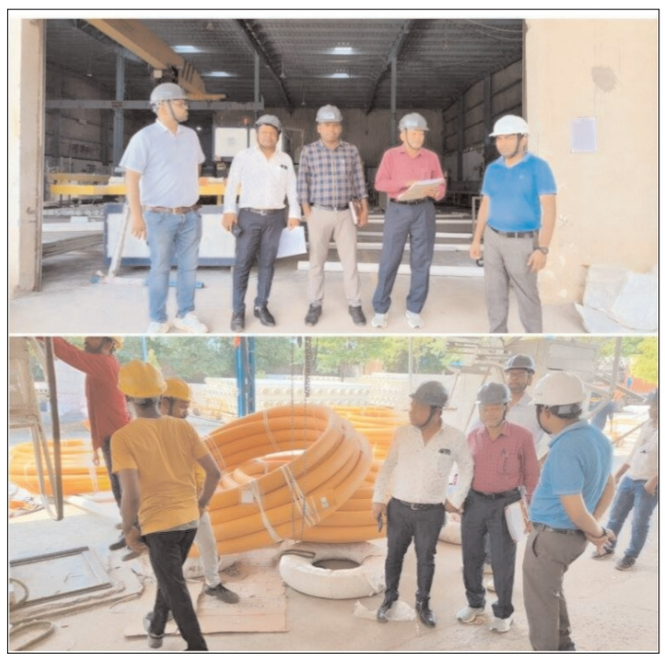

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर द्वारा गठित जिला स्तरीय संयुक्त जांच दल ने बिरकोनी स्थित ओरी प्लास्ट लिमिटेड एवं सिद्धार्थ पॉलीट्यूब प्रा.लि. औद्योगिक इकाइयों का औचक निरीक्षण किया ।

संयुक्त टीम में सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा बलौदाबाजार मनीष कुमार कुंजाम, श्रम पदाधिकारी डी.एन. पात्र, विधिक माप विज्ञान विभाग के निरीक्षक सिद्धार्थ दुबे एवं पर्यावरण विभाग से साइंटिस्ट मानिक चंदेल शामिल थे । टीम ने निरीक्षण के दौरान औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा ओरी प्लास्ट लिमिटेड में सुरक्षा मानकों का पालन अधूरा पाया गया। अग्निशमन व्यवस्था भी मानक अनुरूप नहीं पाई गई, जिस पर संबंधित संस्था को नोटिस जारी किया गया। श्रम विभाग द्वारा निरीक्षण के दौरान तीन ठेकेदार कार्यरत पाए गये, जिन्होंने श्रम विभाग से आवश्यक अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं की थी।

इस पर तीनों ठेकेदारों को नोटिस जारी कर 7 दिवस के भीतर लाइसेंस लेने के निर्देश दिए । विधिक माप विज्ञान विभाग द्वारा ओरी प्लास्ट लिमिटेड द्वारा

जारी बिलों में अमानक माप इकाइयों का प्रयोग किया पाया गया, जिस पर विभाग द्वारा नोटिस जारी किया गया साथ ही सभी तौल-माप यंत्रों का नियमित सत्यापन एवं परीक्षण कराने के निर्देश दिए । इसी तरह पर्यावरण विभाग द्वारा निरीक्षण के

दौरान जल एवं वायु प्रदूषण संबंधी कोई विशेष असामान्यता नहीं पाई गई, स्थिति सामान्य रही।

बसना में मनाया गया सद्गुरु कबीर प्राकट्योत्सव

पूज्य मानिकपुरी पनिका समाज के तत्वावधान में सद्गुरु कबीर साहेब प्राकट्य दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। सद्गुरु कबीर साहेब प्राकट्य दिवस पर मानिकपुरी पनिका समाज ब्लॉक ईकाई बसना के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में अध्यक्षता कर रहे सेवक दास दीवान जिलाध्यक्ष ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब प्राकट्य दिवस प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। सद्गुरु कबीर साहेब जी के बताये हुए मार्ग का अनुसरण करते हुए अपने जीवन को सार्थक बनायें। पनिका समाज आदि कबीरपंथी समाज है। आधुनिकता के दौर में संस्कारों को न भूलें। खान पान,रहन सहन,आचार विचार में शुद्धता लायें। कबीर पंथ सत्य का मार्ग है। कबीर पंथ को जिसने भी अपनाया है और कबीर की वाणी,साखी शब्द को आचरण में लाया है उसका जीवन धन्य हो गया है। कलयुग में सद्गुरु कबीर साहेब कमल पुष्प पर प्रकट हुए थे,इसी तिथि को प्राकट्य दिवस मनाते आ रहे हैं। सम्मान समारोह को जगदीश दास राजन संभाग प्रभारी,शीत गुप्ता उपाध्यक्ष नगर पंचायत बसना, मलिन दास ब्लॉक अध्यक्ष पनिका समाज,एच डी महंत पत्रकार ने भी संबोधित किया। उक्त अवसर पर पधारे सभी अतिथियों, पत्रकारों का अंगवस्त्र श्रीफल से सम्मानित किया गया।शरण दास राजन ने संचालन करते हुए सामाजिक एकता पर

अपने विचार रखे।समाज में आपसी भाईचारा को कायम रखते हुए समाज को संगठित कर मजबूत बनायें।गौरटेक निवासी महेश दास की सुपुत्री कु प्रियंका मानिकपुरी ने कबीर भजन गाकर उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया।कु प्रियंका सहित भजन मंडली की कबीर भजन पर शानदार प्रस्तुति की सराहना की गई। बता दें कि कबीर नगर बसना से शोभा यात्रा निकाली गई। जहां प्राचीन कबीर कुटी तरेकेला के महंत लखन मुनि साहेब जी ने शोभायात्रा को श्वेत ध्वज दिखाकर रवाना किया।

शोभायात्रा का स्वागत हनुमान मंदिर समिति, श्री राम जानकी मंदिर समिति बसना एवं अनेक जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। प्राकट्य दिवस पर शोभायात्रा में पनिका समाज के पदाधिकारी, स्वजातिय बंधु,आमिन मातायें, युवा साथी सैंकड़ों की संख्या में शामिल हुए। शोभायात्रा में कीर्तन मंडली,डी जे की धुन पर कबीर साहेब के भक्ति गीतों में थिरक रहे थे। शोभायात्रा पूरे शहर में भ्रमण करते हुए सांई नगर कबीर आश्रम पहुंचा। साईं नगर के सामाजिक जनों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

सद्गुरु कबीर साहेब प्राकट्य दिवस पर मुख्य रूप सेवकदास दीवान,एच डी महंत रायपुर, जगदीश दास,शरण दास,मलिन दास,तुलसी दास,प्रदीप दास,निर्मल दास,नपा उपाध्यक्ष शीत गुप्ता,प्रकाश सिन्हा,पत्रकार आर के दास,अभय धृतलहरे, खालिद दानी,मनोज गहरेवाल,संगीता नायक,राकेश डडसेना,राकेश साहू,मुजम्मिल कादरी,अरूण साहू, प्रताप साव,रोहित दास ,संत कुमार दास, दूरबीन दास,सोहन दास,नेमी दास, गजानंद दास, अश्विनी दास, आश्रित दास,सुंदर दास, गोरेलाल मानिकपुरी, जावा दास,नीर दास,महेश दास, तिलक दास,विजय दास, के अलावा भारी संख्या में पनिका समाज के आमिन मातायें, युवा साथी उपस्थित रहे।

खबर-खास

जिले में मत्स्याखेट 15 अगस्त तक प्रतिबंधित, प्रजनन काल में मछलियों के संरक्षण हेतु बंद ऋतु घोषित

दुर्ग/ वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) को दृष्टिगत रखते हुये उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य में छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम-1972 की धारा-3 उपधारा-2 (दो) के तहत् 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को ''बंद ऋतु (क्लोज सीजन)'' के रूप में घोषित किया गया है। उप संचालक मत्स्य सुश्री सीमा चन्द्रवंशी से मिली जानकारी अनुसार जिले के सभी तालाबों एवं जल स्त्रोतों में जिनका संबंध नदी नालों से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर को छोड़कर, सभी प्रकार के जल संसाधनों में 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक मत्स्याखेट कार्य पूर्णत: निषिद्ध रहेगा। इन नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम के नियम-3 (5) के अंतर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10,000 रूपये का जुर्माना अथवा दोनो एक साथ होने का प्रावधान है। उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर में लागू नहीं होगें।

जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति (डीसीसी) की बैठक 18 जून को

दुर्ग/ जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति (डीसीसी) की बैठक 18 जून 2025 को शाम 05 बजे कलेक्टोरेट कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित की गई है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सभी सदस्य, बैंकर्स/शासकीय विभाग के अधिकारी को समय पूर्व आवश्यक अद्यतन जानकारी सहित उपस्थिति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है।

श्रद्धांजलि : अहमदाबाद विमान हादसे पर महापौर, आयुक्त सहित सभापति एमआईसी,पार्षदो व अधिकारी/ कर्मचारियो ने दिवंगतों को दो मिनट का मौन रखकर की श्रद्धांजलि अर्पित

दुर्ग/समय दर्शन। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार रूपानी सहित 241 लोगों की मौत एवं सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में शहीद एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे को नगर निगम कार्यालय में दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। महापौर श्रीमती अलका बाघमार की अध्यक्षता में नगर निगम परिसर में आयोजित शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोकसभा में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि यह हादसा बेहद हृदय विदारक और स्तब्ध कर देने वाला है।इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में हताहत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा।इस दु:खद घटना से मन अत्यंत व्यथित है, पीड़ित परिवारों के प्रति गहर्र संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। महापौर ने कहा कि शहीद एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे ने अपने कर्तव्य के प्रति अदम्य साहस, निष्ठा और समर्पण दिखाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमें उन पर गर्व है। हम सब इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ है। सभा में बड़ी संख्या में आयुक्त सुमित अग्रवाल,सभापति श्याम शर्मा,देवनारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे,शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,मनीष साहू,शिव नायक,नीलेश अग्रवाल,शशि साहू,संजय अग्रवाल,कमल देवांगन,खालिक रिजवी,नीरा खिचरिया,सविता साहू,मनीषा सोनी,मनीष कोठारी,अजीत वैध,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,गिरीश दीवान,संजय ठाकुर,आरके बोरकर,संजय मिश्रा,अनिल सिंह के अलावा एमआईसी सदस्य/ पार्षदगण व अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

अहमदाबाद फ्लाइट हादसे में दिवंगत लोगों को केंडल जलाकर दिए श्रद्धांजलि

गरियाबंद (समय दर्शन)। अहमदाबाद में हुए भीषण फ्लाइट हादसे ने पूरे देश के साथ गरियाबंद नगरवासियों के दिलों को भी झकझोर कर रख दिया। इस हृदय विदारक दुर्घटना में असमय काल का ग्रास बने 265 लोगों की आत्मा की शांति के लिए आज शाम गरियाबंद के तिरंगा चौक पर नगरवासियों ने मोमबत्तियां जलाकर गहरी संवेदना प्रकट की।जैसे ही सूर्यास्त की लालिमा तिरंगा चौक पर पसरी,नगर के लोग अपने-अपने हाथों में मोमबत्तियां लिए श्रद्धा और शोक के साथ वहां जुटने लगे। पूरा चौक मोमबत्तियों की मद्धिम लौ से जगमगाने लगा,और हर चेहरे पर एक ही भाव था — दुख,शोक और प्रार्थना। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए सिर झुकाया।

इस मौके पर नगर के प्रबुद्ध नागरिकों ने कहा, आज पूरा देश शोकमग्न है। हम गरियाबंदवासी भी इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवंगत आत्माओं को शांति और उनके परिजनों को यह असहनीय दु:ख सहने की शक्ति दे।

तिरंगा चौक पर उपस्थित लोगों की आंखें नम थीं। मोमबत्तियों की रोशनी में मौन की मार्मिकता और अधिक गहरी हो गई थी। किसी ने आहट नहीं की,कोई शब्द नहीं बोला, केवल दिलों की दुआएं आसमान की ओर उठती दिखीं।सभा का समापन सामूहिक शांति पाठ और एक स्वर में की गई प्रार्थना के साथ हुआ, जिसमें सभी ने देशभर के शोक संतप्त परिवारों को अपनी संवेदना अर्पित की।

श्यामाचरण शुक्ल का सपना शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई सुविधाओं को बढ़ावा : अमितेश

गरियाबंद (समय दर्शन)। पंडित श्यामचरण शुक्ल फाउंडेशन विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय वन काष्ठागार में पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल के आतिथ्य में किया गया।इस अवसर पर उन्होंने कहा के मेरे पिता श्यामा चरण शुक्ल का सपना था कि उनके संसदीय क्षेत्र में स्वास्थ्य,शिक्षा सिंचाई की सुविधाओं में कमी न आए।इसी के तहत जिले के टॉपर 22 छात्र छात्राओं का सम्मान किया जा रहा है।

पंडित श्यामचरण शुक्ल फाउंडेशन विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन आज गरियाबंद आक्शन हाल में सम्पन्न हुआ।संस्था के चेयरमैन प्रथम एवं पंचायत मंत्री अमितेश शुक्ल,उनके सुपुत्र भवानी शंकर समेत फाउंडेशन के अन्य मेंबर और पारिवारिक सदस्यों की मौजूदगी में जिले में 10 वीं एवम 12 वी बोर्ड में टॉप करने वाले 22 छात्र छात्राओं को मेडल प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।इस गैर राजनीतिक आयोजन में छात्र के परिजन, स्थानीय नागरिक गण भारी संख्या में मौजूद रहे।आयोजन का संचालन कृष्ण कुमार शर्मा ने किया।

सांसद पिता का सपना साकार करने की दिशा में फाउंडेशन करता रहेगा काम,,सभा को संबोधित करते हुए अमितेश शुक्ल ने कहा कि सांसद पिता श्याम चरण शुक्ल ने हमेशा अपने संसदीय क्षेत्र में शिक्षा,स्वास्थ्य और सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने का काम किया।मैने और पिता श्री ने अपने कार्यकाल में क्षेत्र में स्कूल,अस्पताल और कई सिंचाई परियोजनाओं की मंजूरी दिलाई।अब फाउंडेशन के माध्यम से उनके सपनों के अनुरूप निरंतर सेवा का कार्य करते रहेंगे। हमारा परिवार और फाउन्डेशन गरियाबंद जिले के लिए सदैव समर्पित भाव से सेवा करेगा।मंच से अमितेश ने यह भी कहा सुविधाओं में बढ़ोतरी और सेवा हेतु जनता से भी सुझाव आमंत्रित है। जरूरत मंद हमारी संस्था से सम्पर्क कर सकते हैं।

इस अवसर पर कक्षा 10वीं के टॉपर नोमिका साहू,भूमिका नागेश,गीताजंली बंजारे,प्रणय बांबोडे,लक्ष्मी नागेश,ऐश्वर्या साहू,जयेश साहू,ओमिका साहू,माया साहू,नम्रता निषाद,आरती साहू।

12 वी बोर्ड के टॉपर प्रिया बघेल,भानु प्रताप साहू,अंजू साहू,निशारानी टंडन, रूपाली नागेश,भोजलता,लक्ष्मी बांधे, गीतिका सचदेव,निशा और तेजस्वरी को सम्मानित किया गया।

ब्रह्माकुमारीज के शिवशक्ति भवन सेवा केंद्र प्रांगण दिए गया श्रद्धांजलि

गरियाबंद (समय दर्शन)। ब्रह्माकुमारीज गरियाबंद के शिवशक्ति भवन सेवा केंद्र प्रांगण में मनाया गया श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नगर के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच गुजरात के अहमदाबाद में हुए भयानक एअर इंडिया दुर्घटना के लिए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पण किया गया। गुजरात के अहमदाबाद में हुए भयानक एअर इंडिया प्लेन क्रैश ने देश को हिला कर रख दिया है।इस हादसे की खबर सुनकर हर कोई सहम गया.लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट अहमदाबाद से उड़ाने भरने के कुछ ही देर बाद क्रैश हो गई।इस विमान में 242 लोग सवार थे,जिनमें 2 पायलट और 10 केबिन क्रू एवं 6 ब्रह्मकुमारीज़ सदस्य शामिल थे,मंजर इतना भयावह है कि हर किसी का दिल दहल गया।इस परिपेक्ष में ब्रह्माकुमारीज के प्रांगण पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी मौन धारण कर मृतात्मा के शांति के लिए प्रार्थना सभा रखी गई। ब्रह्माकुमारीज संचालिका राजयोगिनी बिंदु दीदी एवं नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों में अनिल चंद्राकर,गौरी शंकर कश्यप, रिखीराम यादव,सोहनलाल ध्रुव ने अपनी संवेदना व्यक्त किया।इस कार्यक्रम में नगर के समस्त विभागों के प्रबुद्ध जन जिसमे शिक्षा,समाजसेवी,नवनिर्वाचित पदाधिकारी,व्यापारीजनों एवं नगर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लगभग 500 भाई बहनों की उपस्थिति रही।साथ ही लालिमा ठाकुर उपाध्यक्ष जिला पंचायत,आसिफ मेमन उपाध्यक्ष नगर पालिका गरियाबंद, लेखराज साहू,उपाध्यक्ष,जनपद पंचायत गरियाबंद एवं जिले के नगर पालिका व पंचायत के पार्षदों सहित जिला पंचायत सदस्यों सहित नगर के गणमान्यों की उपस्थिति रही।

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट की स्नातक सोनाक्षी ने पेश किया ज़ात

महिलाओं की अनकही कहानियों को धातु और यादों से उकेरने वाली मूर्तिकला प्रदर्शनी

लंदन की भारतीय कलाकार ने नई दिल्ली के ब्रिटिश काउंसिल में प्रदर्शनी के ज़रिए नारीत्व की पुरानी सोच को चुनौती दी

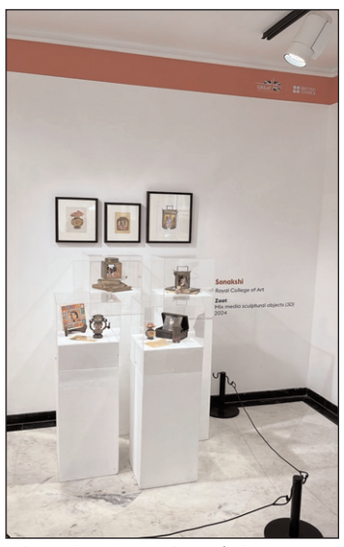

नई दिल्ली। ब्रिटिश काउंसिल, कस्तूरबा गांधी मार्ग की गैलरी में ज़ात प्रदर्शनी पेश की जाएगी, जो सोनाक्षी की एक गहरी और प्रभावशाली मूर्तिकला कृति है। यह प्रदर्शनी मां-बेटी की पीढ़ियों की यादों को पारिवारिक चीज़ों, धातु और उनके अर्थों के ज़रिए सामने लाती है। यह प्रदर्शनी 11 जून से 31 जुलाई 2025 तक स्टडी यूके: क्रिएटिव कनेक्शन्स ढ्ढढ्ढ के हिस्से के रूप में चलेगी।

आगरा में जन्मी और अब लंदन में रहने वाली सोनाक्षी चतुर्वेदी अपनी पेंटिंग, इनैमलिंग और रत्नों की जानकारी को मिलाकर यह सवाल उठाती हैं कि महिलाओं की कहानियां कैसे याद रखी जाती हैं—या जानबूझकर भुला दी जाती हैं। यह प्रदर्शनी दुल्हन, मां और दादी जैसे पारंपरिक रोल्स पर सवाल उठाती है और भारतीय उपमहाद्वीप की हस्तकला परंपराओं में छिपी अनकही इच्छाओं को उजागर करती है।

समकालीन कला में एक ताज़ा आवाज़- 2024 में मशहूर रॉयल कॉलेज ऑफआर्ट से ज्वैलरी और मेटल में एमए पूरा करने वाली सोनाक्षी नई पीढ़ी की कलाकार हैं, जो पुरानी हस्तकला को आधुनिक कला के साथ जोड़ रही हैं। रत्न विशेषज्ञ होने के साथ-साथ इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स (संस्कृति मंत्रालय) में शोधकर्ता के रूप में उनका अनुभव उन्हें दक्षिण एशियाई समाजों में गहनों और विरासत के सांस्कृतिक मायने समझने की गहरी समझ देता है।

सोनाक्षी बताती हैं, ज़ात की शुरुआत मेरी अपनी पुरानी यादों को सहेजने के लिए हुई थी, लेकिन यह जल्द ही एक तरह का दावा बन गया—उन पारिवारिक चीज़ों को खोजने का, जिनमें उन महिलाओं का चुपके से किया गया विरोध छिपा था, जिन्हें सिर्फ़ मां, दुल्हन या दादी के रूप में जाना गया। अपनी मूर्तियों के ज़रिए, मैं मां-बेटी की विरासत को चीज़ों की यादों के रूप में सहेजती हूं—ताकि आने वाली पीढ़ियों की महिलाएं उन्हें सिर्फ़ उनके रोल्स से नहीं, बल्कि उनकी ख्वाहिशों, आज़ादी और आवाज़ के साथ जानें।

मार्निंग वाक एवं काफी ग्रुप शंकरनगर चौपाटी द्वारा अहमदाबाद विमान हादसा में मृत लोगों दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर (समय दर्शन)। मार्निंग वाक एवं काफी ग्रुप शंकरनगर चौपाटी द्वारा अहमदाबाद विमान हादसा में मृत लोगों आत्मा की शांति के लिए मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री किशोर महानंद , बिहारी राम वर्मा पूर्व सरपंच सरोरा,डी.आर.साहू.सीताराम वर्मा, सीताराम कुर्रे वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता, रामानंद पाण्डेय वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता, सुधीर चौबे महामंत्री भाजपा शंकर नगर मंडल, रामेश्वर साहू, पत्रकार दिलीप नामपल्लीवार,बबला ध्रुव, शिवलाल देवांगन, लंकेश वर्मा, राधे निषाद,मोहन राव,बबला साहू, कामेश साहू, सुभाष, मुकेश तिवारी,राजू प्रजापति, कृष्णकांत शर्मा, राजेश मिश्रा, टोमन यादव उपस्थित थे

बेटियों का साहसिक अभियान जारी।12,500 फीट पर तिरंगा फहराने के बाद अब 14,000 फीट की ऊंचाई पर लहराएगा शौर्य का प्रतीक

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले की बेटियों ने अपने हौसले और जज्बे से एक नई मिसाल कायम की है।शिक्षक नगर आमदी निवासी कनक लता सिंह (पिता सत्येंद्र सिंह,उम्र 27 वर्ष) के मार्गदर्शन और नेतृत्व में गरियाबंद की चार साहसी बेटियां देश की ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहराने के अभियान पर निकली हैं।कनक लता सिंह के साथ कोमिता साहू (पिता दुष्यंत साहू, उम्र 16 वर्ष),खिलेश्वरी कश्यप (पिता त्रिलोक कश्यप,उम्र 17 वर्ष) और अम्बा तारक (पिता ऐवस तारक,उम्र 18 वर्ष) ने पहले छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी गौरलाटा (केदारकंठा ट्रैक) पर 12,500 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराकर पूरे जिले और प्रदेश का मान बढ़ाया।इस अद्भुत उपलब्धि के बाद अब यह दल एक और चुनौतीपूर्ण अभियान की ओर बढ़ रहा है।12 जून को गरियाबंद से रवाना होकर ये साहसी बेटियां अब हिमाचल प्रदेश के हमटा पास ट्रैक की ओर अग्रसर हैं, जहां वे समुद्र तल से 14,000 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य लेकर निकली हैं,

यह ट्रैक अत्यंत कठिन है।दल को करीब 35 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करनी होगी।इस दौरान घने जंगलों,दुर्गम और खड़ी पहाड़ियों,बर्फ से ढके रास्तों और ऊबड़-खाबड़ पगडंडियों से गुजरना होगा। हर दिन उन्हें 5 से 7 घंटे तक पैदल चढ़ाई करनी होगी। टीम 15 जून को मनाली बेस कैंप से हमटा पास ट्रैक के लिए रवाना होगी।

कनक लता सिंह के नेतृत्व में यह दल न केवल साहस और शौर्य का परिचय दे रहा है,बल्कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।कनक लता का कहना है कि यह यात्रा केवल पर्वतारोहण नहीं,बल्कि हर युवा में देशभक्ति और आत्म विश्वास की भावना जगाने का प्रयास है।

कनक लता सिंह गरियाबंद जिले के शिक्षक नगर आमदी की निवासी हैं। उनकी उम्र 27 वर्ष है और वे सत्येंद्र सिंह की पुत्री हैं।कनक लता साहसिक अभियानों में रुचि रखती हैं और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होकर ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहराने का संकल्प लेकर निकलती हैं। उनके नेतृत्व में कई युवाओं को प्रेरणा मिल रही है।सरल स्वभाव और मजबूत इच्छाशक्ति के कारण वे सभी के बीच आदर्श बन चुकी हैं।

कनक लता ने कहा कि यह यात्रा केवल मेरी नहीं है, यह पूरे छत्तीसगढ़ की बेटियों का हौसला दिखाने का प्रयास है। हम हर कठिनाई को पार कर तिरंगा ऊंचा करने निकले हैं। हमारा सपना है कि हमारे प्रदेश और देश का नाम रोशन हो और युवा शक्ति को इससे प्रेरणा मिले।

गरियाबंद जिले के लोगों में इस अभियान को लेकर उत्साह और गर्व की लहर है। सभी इन बेटियों की सफलता और सुरक्षित वापसी की कामना कर रहे हैं।छत्तीसगढ़ की बेटियों की यह यात्रा साबित करती है कि साहस, संकल्प और सच्ची लगन से कोई भी शिखर दूर नहीं होता।तिरंगा शान से ऊंचा रहे — जय हिंद!

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

ई- पंजीयन से अब बेहद आसान है भूमि रजिस्ट्री की प्रक्रिया

- सुगम मोबाईल एप
- PAN व आधार इंटीग्रेशन
- स्टांप वेंडर तक पहुंच आसान
- जिओ रेफरेंसिंग प्रणाली
- My Deed माड्यूल

(अधिक जानकारी के लिए https://industries.cg.gov.in पर विजिट करें)

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Samwad : 44166/1